RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल
साझा करें अपने मित्रों से
श्रीकंचनपथ ONLINE
visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 283 | भिलाई, शनिवार 30 जुलाई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर...

मेडिकल कॉलेज को शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए 100 सीटों की मिली मान्यता, एनएमसी ने जारी किया लेटर ऑफ इटेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। राज्य सरकार की पहल पर प्रदेश में तीन नए मेडिकल कॉलेज में पिछले साल जहां कांकेर को एनएमसी (National Medical Commission) से मान्यता मिली थी, वहीं इस बार महासमुंद को भी मान्यता मिल गई।

प्रदेश में दो साल पहले कांकेर, महासमुंद व कोरबा जिले में नए मेडिकल कॉलेज खोलने की मंजूरी मिली थी। इसके बाद तीनों ही जिलों में मेडिकल कॉलेज की तैयारी शुरू हुई। पिछले साल एनएमसी के निरीक्षण के बाद कांकेर को मान्यता मिली थी।

इस बार मान्यता की दौड़ में महासमुंद व कोरबा मेडिकल कॉलेज थे। करीब 2 महीने पहले एनएमसी ने दोनों कॉलेज का एक ही दिन वर्चुअल निरीक्षण किया था। उसके बाद से फाइनल रिपोर्ट का इंतजार चल रहा था।

शुक्रवार को एनएमसी ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें महासमुंद मेडिकल कॉलेज को शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए 100 सीट के चिकित्सकीय शिक्षा के लिए मान्यता प्रदान कर दी गई है।

प्रदेश में शासकीय मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटों में बढ़ोतरी होने से मेडिकल की शिक्षा के साथ ही मरीजों को अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना अंतर्गत हितग्राहियों को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दी सहायता राशि

दुर्ग। हरेली तिहार के उपलक्ष्य में ग्राम करसा घुघवा में आयोजित कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री मंत्री भूपेश बघेल द्वारा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत श्रीमती नीतू वर्मा पति विनय कुमार वर्मा ग्राम फुंडा विकास खण्ड पाटन जिला दुर्ग को 50 हजार एवम श्रीमती मनीषा वर्मा पति देवाशीष वर्मा छावनी भिलाई जिला दुर्ग को 1 लाख रुपये का डमी चेक प्रदाय किया गया। इस अवसर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिव्यगजनों से बातचीत कर बधाई दिये।

डीए बढ़ाने हड़ताल पर गए सरकारी कर्मचारी

शासन ने जारी किया सैलरी काटने का आदेश, कार्रवाई की भी लटकी तलवार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र के समान महंगाई भत्ता (डीए) और एचआरए की मांग को लेकर हड़ताल कर रहे सरकारी कर्मचारियों को राज्य शासन ने झटका दे दिया है। 5 दिन की हड़ताल अवधि का वेतन कर्मचारियों को नहीं मिलेगा। राज्य शासन ने इस हड़ताल को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए साफकर दिया है कि इस तरह हड़ताल करने वालों का सामूहिक अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। जितने दिन कर्मचारी हड़ताल पर रहे हैं, उस अवधि को ब्रेक इन सर्विस माना जाएगा। राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के 5 लाख हड़ताली अधिकारी-कर्मचारियों को 2006 का एक आदेश याद दिलाया है। इधर कर्मचारी संघों का कहना है कि यह आदेश उचित नहीं है। सरकार को एक्शन लेने के बजाय कर्मचारी-अधिकारी संघों से बात करके कोई रास्ता निकालना चाहिए।

महानदी भवन मंत्रालय के सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव मेरी खेस्स ने एक ताजा आदेश जारी कर कहा है कि 10 अप्रैल 2006 को परिपत्र जारी किया गया था, उसके तहत दिए गए निर्देशों के अनुसार हड़ताली कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, राज्य सरकार ने अप्रैल-2006 में एक परिपत्र जारी किया था, इसमें कहा गया था कि शासकीय सेवकों द्वारा हड़ताल, धरना, तथा सामूहिक अवकाश आदि प्रकार के कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के अनुसार कदाचरण (मिस कंडक्ट) की श्रेणी में आते है। ऐसा करने वाले शासकीय सेवक अनुशासनात्मक कार्रवाई के भागी होंगे। अनुपस्थित अवधि का कोई वेतन इत्यादि देय नहीं होगा और इस अवधि को ब्रेक-इन-सर्विस माना जाएगा। बता दें कि 70 से ज्यादा सरकारी कर्मचारी संगठन 25 से 29 जुलाई तक कलम बंद काम बंद हड़ताल पर हैं। शनिवार व रविवार को अवकाश है। 1 अगस्त को सरकारी दफ्तरों में लौटेंगे।

सरकारी कर्मचारी संघों की यह है मांग

कर्मचारी संघों का कहना है कि छत्तीसगढ़ में जनवरी 2020 से लंबित 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता, जुलाई 2020 से लंबित 3 प्रतिशत, जनवरी 2021 से लंबित 4 प्रतिशत, जुलाई 2021 से 3 प्रतिशत एवं जनवरी 2022 से 3 प्रतिशत को मिलाकर कुल लंबित 17 प्रतिशत महंगाई भत्ता की मांग कर्मचारी कर रहे थे। सीएम भूपेश बघेल ने 2 मई को 5 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाने का आदेश जारी किया था। कर्मचारी संघों का कहना है कि महंगाई से राहत पाने का एक ही साधन महंगाई भत्ता होता है। वर्तमान में महंगाई चरम पर है, लेकिन कर्मियों का महंगाई भत्ता केंद्र के सामान नहीं है। वहीं राज्य में 1 जनवरी 2016 से सातवां वेतनमान लागू हो गया था, लेकिन कर्मचारी-अधिकारियों को आज भी छटवें वेतनमान के मूल वेतन पर 10 प्रतिशत एवं 7 प्रतिशत के दर से एचआरए दिया जा रहा है, जबकि केंद्र में 18 प्रतिशत और 9 प्रतिशत है।

मान्यता प्राप्त यूनियन चुनने बीएसपी कर्मियों में दिखा उत्साह

मतदान केन्द्रों में सुबह से उमड़ने लगी भीड़

पांच यूनियनों के मुकाबले से रोचक हुआ चुनाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मान्यता चुनाव के लिए सुबह 6 बजे मतदान शुरू होने के साथ ही कर्मचारियों का उत्साह देखते बना। यहां सुबह से ही कर्मचारी अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुंच रहे थे। सुबह से ही पोलिंग बूथों में मतदाताओं की भीड़ लगी है। मतदान के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस चुनाव में 13 हजार 422 कर्मचारी वोट देकर अपने प्रतिनिधि यूनियन को चुनेंगे। इस चुनाव में 5 यूनियनों के बीच मुकाबला है।

मतदान से पहले शुक्रवार देर रात तक चुनावी तैयारियां चलती रहीं। यूनियन के नेता भी देर रात तक मतदाताओं से संपर्क कर उन्हें साधने के लिए लगे रहे। चुनाव के दौरान मतदान से लेकर मतगणना तक की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रहे इसके लिए केंद्रीय श्रम विभाग के भुवनेश्वर कार्यालय से 62, रायपुर और बिलासपुर कार्यालय से 20 कर्मियों की टीम शनिवार सुबह से ही चुनाव स्थल पर पहुंची हुई है। कर्मचारियों को मतदाता सूची को लेकर दिक्कत न हो इसे लेकर मतदाता सूची को बीएसपी के होम पेज पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिया गया है। पर्सनल नंबर डालते ही कर्मचारी को उसके बूथ का क्रमांक मिल जाएगा।

बीएसपी के कर्मचारी बिना किसी परेशानी के मतदान कर सकें इसके लिए 19 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। संयंत्र के भीतर मर्चेंट मिल में सबसे ज्यादा 850 मतदाता हैं। संयंत्र में कुल 16 एवं संयंत्र के बाहर टाउनशिप में भिलाई विद्यालय, एचआरडी कैंटीन एवं सेक्टर-9 अस्पताल परिसर में मतदान केंद्र बनाया गया है।

चुनावी मैदान में पांच यूनियन

बीएसपी में मान्यता प्राप्त यूनियन बनने के लिए हो रहे चुनाव में पांच यूनियन भाग ले रही है। इसमें स्टील एम्प्लाइज यूनियन, इंटक भिलाई इस्पात मजदूर संघ, बीएमएस बीएसपी वर्कर्स यूनियन भिलाई श्रमिक सभा, एचएमएस एवं हिंदुस्तान स्टील एम्पलाइज यूनियन भिलाई शामिल है।

कोरोना गाइडलाइन का पालन नहीं

मतदान के दौरान कोविड संक्रमण से बचाव के लिए कोविड सुरक्षा गाइडलाइन का पालन करने के निर्देश दिए गए थे। जबकि मतदान के दौरान इसका पालन होता नहीं दिख रहा है। मतदान के दौरान कई कर्मचारी मास्क का उपयोग करते दिखे, लेकिन कई ने बिना मास्क के ही मतदान किया। मतदाताओं को बिना मास्क मतदान स्थल में प्रवेश दिया जा रहा है। वहीं शारीरिक दूरी का पालन करते भी कोई नजर नहीं आया।

देर रात आएगा चुनाव परिणाम

वोटिंग समाप्त हो जाने के बाद मतों की गिनती रात आठ बजे से संयंत्र के एचआरडीसी (मानव संसाधन एवं विकास केंद्र) भवन में शुरू होगी। मतगणना के लिए कुल आठ टेबल लगाए गए हैं। निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक रात 12 बजे से पहले ही परिणाम घोषित करने का प्रयास किया जाएगा। आज मतगणना कर्मियों को प्रेसाइडिंग अफसरों ने पोलिंग अफसरों को इसका प्रशिक्षण दे दिया। यूनियन के प्रतिनिधियों को भी बुलाया गया था। मतगणना में पहले 50-50 मत पत्रों का बंडल बनेगा। इसके बाद गिनती शुरू होगी। इस चुनाव में सर्वाधिक मत पाने वाले यूनियन को ही प्रबंधन के साथ समझौता करने का अधिकार मिलेगा। यही यूनियन कर्मचारियों की हक की बात संयंत्र से करेगा।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पांच महिलाओं की मौत, सीएम बघेल ने जताया दुख, घायलों को बेहतर इलाज के लिए दिये निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। महासमुंद जिले में शुक्रवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से पांच महिलाओं की मौत हो गई। हादसे में छह अन्य घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के घाटकछार गांव में हादसा हुआ। मृतकों की पहचान जानकी, लक्ष्मी यादव, बसंती, जमोवती और नोहरमति के रूप में हुई है।

अधिकारियों के मुताबिक, महिलाएं शुक्रवार दोपहर खेत में काम कर रही थीं। तभी अचानक तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी। जिसकी चपेट में आकर पांच महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान छह अन्य गंभीर रूप से घायल हुईं। घायलों को सरायपाली गांव के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से सात लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले राज्य के जशपुर जिले में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे दो लोगों (पिता-पुत्र) की मौत हो गई थी।

मृतकों के परिजनों को 04-04 लाख की सहायता

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महासमुंद जिले में आकाशीय बिजली गिरने की घटना में 05 श्रमिकों की मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने घटना में घायल 06 श्रमिकों को बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कलेक्टर को निर्देश दिए हैं। सीएम बघेल ने हादसे में मृत प्रत्येक श्रमिक के परिजनों को आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों के अनुरूप 04-04 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत करने के भी निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि महासमुंद जिले के थाना सिंघोड़ा के अंतर्गत ग्राम घाटकछार में आकाशीय बिजली गिरने से कुमारी जानकी, कुमारी लक्ष्मी यादव, श्रीमती बसंती नाग, श्रीमती जमोवती, श्रीमती नोहरमति की मृत्यु हो गई। इस घटना में श्रीमती पंकजनी यादव, श्रीमती पार्वती मालिक, श्रीमती तपस्वनी, श्रीमती पुन्नी, श्रीमती गीतांजलि, श्रीमती शशि मुझी घायल हो गए हैं, जिनका सरायपाली स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है।

44 और लोगों ने तोड़ा कोरोना से दम 20 हजार से ज्यादा नए संक्रमित मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना के नए मरीजों की संख्या में रोजाना उतार-चढ़ाव हो रहा है। शनिवार को 20,408 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। 44 और लोगों ने महामारी के शिकार होकर दम तोड़ दिया। दैनिक संक्रमण दर आज 5.05 फीसदी रही।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शनिवार सुबह 8 बजे अपडेट आंकड़ों के अनुसार देश में फिलहाल सक्रिय केस 1,43,384 है। बीते 24 घंटे में सक्रिय केस में 604 की कमी आई। इस दौरान 20,958 लोग कोरोना महामारी से उबर गए।

बीते 24 घंटे में यहां हुई मौतें

पिछले 24 घंटों में हुई 44 मौतों में से सर्वाधिक महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में छह-छह मौतें हुईं। इनके अलावा हरियाणा और कर्नाटक में चार-चार, गुजरात, पंजाब और उत्तर प्रदेश में तीन-तीन, बिहार, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर और मध्य प्रदेश में दो-दो, चंडीगढ़, दिल्ली, गोवा, हिमाचल प्रदेश, केरल, ओडिशा और सिक्किम में एक—एक मौत शामिल है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना से 2 की मौत, 479 नए मरीज मिले, एक्टिव केस 3276

छत्तीसगढ़ में कोरोना के मरीजों की बढ़ती संख्या ने राज्य सरकार की चिंता बढ़ा दी है। शुक्रवार को प्रदेश में 479 नए मरीज मिले हैं। बड़ी सख्या में मरीजों के स्वस्थ होने से एक्टिव मरीजों की संख्या घटकर 3276 हो गई है। सबसे ज्यादा 668 एक्टिव केस रायपुर जिले में हैं। कोरोना से बलौदाबाजार और बिलासपुर जिले में 1-1 संक्रमित की मौत भी हुई है। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य की सीमाओं और सभी एयरपोर्ट पर कोविड जांच अनिवार्य किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने और वैक्सीनेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

कोयला लदी मालगाड़ी के वैगन में आग लगने से मचा हड़कंप, दमकल कर्मियों ने बुझाया आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कोयला लदी मालगाड़ी के वैगन में आग लगने से हड़कंप मच गया। मालगाड़ी की एक वैगन में धुआं उठता देख रेलवे कर्मियों इसकी सूचना अधिकारियों को दी। इसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई। भिलाई नगर रेलवे स्टेशन में मालगाड़ी को खड़ा किया गया। दमकल विभाग के कर्मियों ने पहुंचकर करीब घंटे भर की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार घटना शनिवार सुबह की बताई जा रही है। कोयला लेकर नागपुर की ओर जा रही मालगाड़ी में अचानक धुआं उठने लगा। बीएमवाई चरोदा व भिलाई तीन रेलवे स्टेशन के बीच धुआं देखा गया।

रेलवे कर्मचारियों ने इसकी सूचना बड़े अधिकारियों को दी। इसके बाद भिलाई नगर रेलवे स्टेशन में मालगाड़ी को रोकने का निर्देश दिया गया। अफसरों ने यहीं से अग्निशमन विभाग को भी सूचना दे दी थी। सुबह करीब 9:15 बजे मालगाड़ी भिलाई नगर रेलवे स्टेशन में रुकी। सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई। सुबह 9:30 बजे दमकल विभाग की गाड़ी पहुंची और इसके बाद आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया। कोयला बोगी में काफी नीचे से जल रहा था। एक तरह से अंगीठी की तरह जल रहा था।

करीब 40 मिनट तक दमकल कर्मियों ने बोगी की आग बुझाई और कोयला ठंडा किया। फिलहाल रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी की अन्य बोगियों की जांच की जा रही है। सबकुछ सही होने के बाद इसे रवाना किया जाएगा। आग बुझाने के काम में दमकल विभाग के कर्मी एफ प्रवीण बारा, नागेश मार्कंडेय, धर्मेन्द्र बंजारे, पराग भोसले, रूपेन्द्र देशमुख आदि की भूमिका सराहनीय रही।

अपराधियों की फोटो गैलरी

दीपक रंजन दास

गुस्ताखी माफ

देश में आजादी का अमृत महोत्सव चल रहा है। स्कूल-कालेजों में अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों पर कार्यक्रम हो रहे हैं। सरकारी कालेजों-दफ्तरों में देश के सपूतों की तस्वीरें लगी होती हैं। सरकारी स्कूलों की तो दीवारों पर भी पेंट की सहायता से स्वाधीनता सेनानियों और महापुरुषों के चित्र उकेरे जाते हैं। पर यहां जो हुआ वह इन सबसे अलग है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के गंज थाने में एक फोटो गैलरी का उद्घाटन किया गया। आम तौर पर फोटो गैलरी में कलात्मक चित्र या प्रेरक तस्वीरें लगाई जाती हैं पर इस गैलरी इससे अलग है। यहां आदतन अपराधियों की फोटो लगी है। डकैती, लूट और चोरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले इन शूरवीरों की डेढ़ सौ से ज्यादा तस्वीरें इस गैलरी में प्रदर्शित की गई है। अब अपराधी शान से कह सकेंगे कि उनकी तस्वीरें पुलिस की फोटो गैलरी में लगी हुई है। पुलिस का कहना है कि इससे छत्तीसगढ़ सहित दीगर राज्यों की पुलिस को इन अपराधियों की पहचान करने में सहूलियत होगी। 150 लोगों की कुण्डली का डिजिटल रिकार्ड रखना शायद बहुत मुश्किल था। बताते हैं कि देशभर की पुलिस एक नेटवर्क से जुड़ी हुई है। काफी समय से इसपर काम चल रहा है। देश-दुनिया के किसी भी कोने में बैठा आदमी इसके वेबसाइट को एक्सेस कर अपराधियों की पूरी जानकारी हासिल कर सकता है। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) चूंकि डिजिटल प्लेटफार्म है इसलिए यहां लाखों अपराधियों की पूरी कुण्डली रखी जा सकती है। चुटकियों में उसे सर्च किया जा सकता है। उसकी कॉपी सेव की जा सकती है। प्रिंटआउट लिया जा सकता है। तो फिर इस फोटो गैलरी की जरूरत क्यों पड़ी? अब तक रेल्वे स्टेशनों और बस अड्डों में पाकेटमारों, जहरखुरानों और ठगों की तस्वीरें चिपकाई जाती रही हैं। थाने में आदतन अपराधियों और गुमशुदा लोगों की फोटो नोटिस बोर्ड पर चस्पा करने का रिवाज है। अब तो लोगों ने इनपर ध्यान देना भी बंद कर दिया है। इसलिए इस क्षेत्र में भी नवोन्मेष की जरूरत थी। नई गैलरी बनने के बाद कम से कम एक बार तो लोग उसे गौर से देखेंगे और पढ़ेंगे। कुछ लोगों की तस्वीर देखकर तो शायद मोहल्ले वाले भी दांतों तले उंगलियां दबा लें। भिलाई-3 पुलिस ने भी इसी तरह का एक नवोन्मेष किया था। उसने उन वारंटियों का फ्लेक्स थाने के सामने प्रदर्शित कर दिया था जो समन की खिल्ली उड़ाते थे। इसका व्यापक असर हुआ था। रसूखदारों की सार्वजनिक बेइज्जती हो रही थी। अब एक काम और करे पुलिस ङ्क फ्रॉड जमीन दलालों और पोंजी स्कीम के ठगों की तस्वीरों के भी कोलाज बनवा ले और इन्हें चौक चौराहे पर लगवा दे। इन्हें पहचानना डकैतों को पहचानने से ज्यादा जरूरी है। लोग ठगे नहीं जाएंगे तो माथा भी नहीं सटकेगा और कुछ अपराध कम हो जाएंगे।

संपादकीय

फिर मिग-21 दुर्घटना

राजस्थान के बाड़मेर में वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमान की दुर्घटना की खबर परेशान करने वाली है। इस हादसे में वायुसेना के दो पायलटों की जान चली गई। यह दुर्घटना उस समय हुई, जब दो सीट वाले इस विमान से आक्रमण का प्रशिक्षण दिया जा रहा था। राजस्थान में वायुसेना के उतरलाई केंद्र से विमान ने उड़ान भरी थी और जब यह बाड़मेर के पास उड़ रहा था, उसी समय यह दुर्घटना हो गई। मिग-21 लंबे समय तक भारतीय वायुसेना का सबसे भरोसेमंद विमान रहा है। इस समय, जब वायुसेना में कई आधुनिक लड़ाकू विमान आ चुके हैं, तब भी मिग-21 इसकी रीढ़ बना हुआ है। इसे 60 साल पहले भारत ने अपने बमवर्षक बेड़े में शामिल किया था। याद कीजिए उस सर्जिकल स्ट्राइक को, जब विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान इसी मिग-21 पर बैठ पाकिस्तान में आतंकियों के प्रशिक्षण शिविरों को ध्वस्त करने के लिए घुसे थे और वहां पाकिस्तान के अमेरिका में बने एफ-16 विमान को मार गिराया था। इसके पहले बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भी इस विमान ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, एक के बाद दूसरी दुर्घटनाओं की वजह से रूस में निर्मित यह विमान पिछले कुछ समय से विवादों में रहा है और रह-रहकर वायुसेना से इसकी विदाई की बातें भी चलती रही हैं। ताजा दुर्घटना से वे तमाम पुराने विवाद एक बार फिर से चर्चा में आ गए हैं। आंकड़े बताते हैं कि 1970-71 से अब तक भारत में इस विमान की 400 से ज्यादा दुर्घटनाएं हो चुकी हैं और इनमें 200 से ज्यादा पायलट मारे जा चुके हैं। इन दुर्घटनाओं में 50 से ज्यादा अन्य लोगों की भी जान जा चुकी है। यूपीए सरकार के दौरान तत्कालीन रक्षा मंत्री एके एंटोनी ने लोकसभा में बताया था कि भारत ने अब तक कुल 872 मिग-21 खरीदे हैं, जिनमें से आधे से अधिक दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। इन्हीं दुर्घटनाओं की वजह से इसे उड़ता हुआ ताबूत भी कहा जाता है। यह भी कहा जाता है कि मिग-21 ऐसा विमान है, जिसकी वजह से हमारे वायुसैनिक शांति काल में भी जान गंवा देते हैं। तकरीबन एक दशक पहले रिटायर विंग कमांडर संजीत सिंह कालिया ने अदालत में याचिका डाल मांग की थी कि इस विमान की वायुसेना से विदाई की जाए। उनकी दलील थी कि यह विमान सुरक्षित स्थितियों में काम करने के मेरे अधिकार का उल्लंघन करता है। दरअसल, संजीत सिंह कालिया खुद एक मिग-21 दुर्घटना में बाल-बाल बचे थे। लेकिन भारतीय प्रतिरक्षा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस विमान से इतनी जल्दी किनारा भी नहीं किया जा सकता था।

> “ कहा जाता है कि इन कल-पुर्जों की गुणवत्ता काफी खराब है, जो दुर्घटनाओं की मुख्य वजह है। ताजा दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं लग सका है, लेकिन जो भी हो, अब इस पुरातन विमान को अतीत की चीज बनाने का समय आ गया है। इसे एकाएक विदाई भले न दी जा सकती हो, लेकिन चरणबद्ध तरीके से इसे रिटायर करने का टाइमटेबल बनाए जाने की जरूरत है।

मिग-21 दुनिया के प्रतिरक्षा कारोबार में सोवियत व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रतीक था। सोवियत व्यवस्था तो इतिहास हो गई, लेकिन यह विमान अभी भी बहुत से देशों की प्रतिरक्षा का वर्तमान बना हुआ है। अब इसका पूरा कारोबार रूस के हवाले है। यह विमान दुनिया के कई देशों को बेचे गए थे, इसलिए इसके कल-पुर्जों का अभी भी खासा बड़ा बाजार है। कहा जाता है कि इन कल-पुर्जों की गुणवत्ता काफी खराब है, जो दुर्घटनाओं की मुख्य वजह है। ताजा दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं लग सका है, लेकिन जो भी हो, अब इस पुरातन विमान को अतीत की चीज बनाने का समय आ गया है। इसे एकाएक विदाई भले न दी जा सकती हो, लेकिन चरणबद्ध तरीके से इसे रिटायर करने का टाइमटेबल बनाए जाने की जरूरत है।

दिल्लीः हिरण पर क्यों लादें घांस

इसमें जरा भी शक नहीं है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई नई और अच्छी पहल की हैं। उसकी नई शिक्षा पद्धति को देखकर कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां भी काफी प्रभावित हुई हैं। अब दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि वह 50 केंद्रों में एक लाख ऐसे बच्चे तैयार करेगी, जो फर्राटेदार अंग्रेजी बोल सकें। अंग्रेजी की अनिवार्य पढ़ाई तो भारत के सभी विद्यालयों में होती है लेकिन अंग्रेजी में संभाषण करने की निपुणता कम ही छात्रों में होती है।

इसी वजह से वे न तो अच्छी नौकरियां ले पाते हैं और वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी हीनता-ग्रंथि से ग्रस्त रहते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान गरीब और पिछड़े परिवारों के छात्रों को होता है। उन्हें घटिया पदों और कम वेतन वाली नौकरियों से ही संतोष करना पड़ता है। ऐसे छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिले, इसीलिए दिल्ली सरकार अब 12 वीं पास छात्रों को अंग्रेजी बोलने का अभ्यास मुफ्त में करवाएगी। शुरु में वह उनसे 950 रुपए जमा करवाएगी ताकि वे पाठ्यक्रम के प्रति गंभीर रहें।

यह राशि उन्हें अंत में लौटा दी जाएगी। यह पाठ्यक्रम सिर्फ 3-4 माह का ही होगा। 18 से 35 साल के युवकों के लिए यह अंग्रेजी बढ़िया बोलो अभियान खुला रहेगा। मोटे तौर पर दिल्ली सरकार की इस योजना के पीछे उसकी मन्शा पूरी तरह सराहनीय है लेकिन दिल्ली की ही नहीं, हमारे सभी राज्यों और केंद्र की सरकार ने क्या कभी सोचा कि हमारी शिक्षा और नौकरियों में अंग्रेजी की अनिवार्यता ने भारत का कितना बड़ा नुकसान किया है? यदि सरकारी नौकरियों से अंग्रेजी की अनिवार्यता हटा दी जाए तो कौन माता-पिता अपने हिरण-जैसे बच्चों पर घांस लादने की गलती करेंगे? चीनी भाषा के अलावा किसी भी विदेशी भाषा को सीखने के लिए साल-दो साल काफी होते हैं लेकिन भारत में बच्चों पर यह घांस दस-बारह साल तक लाद दी जाती है। अपने छात्र-काल में मैंने अंग्रेजी के अलावा जर्मन, रूसी और फारसी भाषाएं साल-साल भर में आसानी से सीख ली थीं। अंग्रेजी से कुश्ती लड़ने में छात्रों का सबसे ज्यादा समय नष्ट हो जाता है। अन्य विषयों की उपेक्षा होती है। मौलिकता नष्ट होती है। हीनता ग्रंथि पनपने लगती है। अहंकार और ढोंग पैदा हो जाता है। हमारी शिक्षा-व्यवस्था चौपट हो जाती है। आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं लेकिन अभी भी हम भाषाई और बौद्धिक गुलामी में जी रहे हैं। महात्मा गांधी और लोहिया- जैसा एक भी नेता आज तक देश में इतना साहसी नहीं हुआ कि वह मैकाले की इस गुलामगीरी को चुनौती दे सके। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मंत्री मनीष सिसोदिया से मैं आशा करता हूं कि वे अन्य मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्रियों की तरह पिटेपिटाए रास्ते पर तेज रफ्तार से चलने की बजाय ऐसा जबर्दस्त अभियान चलाएं कि भारत में नौकरियों और शिक्षा से अंग्रेजी की अनिवार्यता खत्म हो जाए।

वेद प्रताप वैदिक

> “ **इसे निचले तबकों को राज्यों द्वारा दिए जाने वाले समर्थन के विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए, प्रधानमंत्री ने तो कल्याणकारी शासन का एक सफल मॉडल पेश किया है। अरस्तू ने कहा था, विषमता का सबसे बुरा रूप असमान चीजों को समान बनाने का प्रयास है। साफहै, 'मुफ्त की संस्कृति' समृद्धि का मार्ग नहीं, बल्कि वित्तीय आपदा का एक पासपोर्ट है।**

तरक्की बांटिए, मुफ्त की रेवड़ियां नहीं

एन के सिंह, पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय सचिव

पिछले दिनों अपने एक संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'रेवड़ी' यानी मुफ्त वाली योजनाओं की संस्कृति पर अपनी पीड़ा जाहिर की थी। यह बहस अर्थशास्त्रियों की व्यापक चिंता के बाद शुरू हुई है। इसमें राज्यों की अर्थव्यवस्था पर रिजर्व बैंक द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट भी शामिल है, जिसमें इस दोषपूर्ण नीति के कारण राज्यों की खस्ता होती आर्थिक हालत और गहराते ऋण संकट का जिक्र किया गया है। इससे पहले, 19 अप्रैल को 'दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स' के सालाना जलसे में मैंने कहा था कि ये रेवड़ियां 'ऐसी हैं, जो कुछ चुकाए बिना आपको दी गई हैं, विशेष रूप से आपका समर्थन हासिल करने के लिए या इसकी अपेक्षा में'। यह विडंबना ही है कि बहुत पहले अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, कभी-कभी लोग उन चीजों की सबसे अधिक कीमत चुकाते हैं, जो उन्हें मुफ्त में मिलती हैं। जाहिर है, आइंस्टीन ने जो कहा था, उसके गहरे निहितार्थ हैं।

दरअसल, 'फ्रीबीज कल्चर' के गंभीर नतीजों के कारण ही प्रधानमंत्री ने चिंता जताई है। इस लोक-लुभावन संस्कृति ने भारत की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को प्रभावित किया है। सर्वप्रथम, सतत विकास लक्ष्य की तरफ भारत के बढ़ते कदमों को बाधित करने का मुद्दा है। पेरिस जलवायु सम्मेलन (कॉप 21), अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और ग्लासगो कॉप 26 में की गई पहल पीढ़ीगत समानता की दिशा में आगे बढ़ने और तीव्र विकास पर भारत की सहमति का भी प्रतीक है। इसका पालन करने की हमारी क्षमता दूसरी बातों के साथ-साथ दो अन्य प्रतिबद्धताओं पर भी निर्भर है।

एक, ऊर्जा खपत में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना। मगर एक तरफ जहां मुफ्त बिजली के रूप में किसी न किसी रूप में सब्सिडी का वायदा किया जा रहा है, तो वहीं बिजली आपूर्ति करने वाली राज्यों की कंपनियों की बिगड़ती सेहत उनकी संभावनाओं को कमजोर कर रही है। क्या यह विडंबना नहीं है कि मुफ्त बिजली कभी-कभी सभी घरों, कभी वैकल्पिक, तो कभी आधे घरों को दी जाती है, बल्कि ये वायदे तभी तक कायम रहते हैं, जब तक सरकार आर्थिक झंझावातों में नहीं फंसती और इस सुविधा को वापस लेने को मजबूर नहीं होती? दिल्ली सरकार की तरफ से बिजली सब्सिडी को वैकल्पिक बनाने का फैसला काफी हद तक बढ़ती लागत के कारण लिया गया था। आरबीआई ने बताया है कि पंजाब में मुफ्त बिजली का वायदा सतत विकास की ओर बढ़ने की उसकी क्षमता को कम करता है। कुछ उपभोक्ताओं के लिए कीमतें घटाने और कारोबारी संस्थानों एवं औद्योगिक इकाइयों से अधिक शुल्क वसूलने से दरअसल प्रतिस्पर्द्धा कम होती है और इससे आय व रोजगार में सुस्ती आती है।

इसी तरह, सौर ऊर्जा को गंभीरता से प्रोत्साहित करने की बिजली वितरण कंपनियों की क्षमता उनकी आर्थिक स्थिति और दर-संबंधी संरचनाओं को विकसित न कर सकने जैसी रुकावटों से बाधित होती है। गैर-जीवाश्म ईंधन वाले युग की तरफ बढ़ने की हमारी क्षमता राज्य बिजली बोर्डों की सेहत पर निर्भर है, लेकिन फ्रीबीज संस्कृति के कारण यह प्रभावित हो रही है। मुफ्त योजनाओं की ऐसी परिपाटी दीर्घावधि में अर्थव्यवस्था, जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सामंजस्य के लिए महंगी साबित होती है।

दूसरी प्रतिबद्धता, मोदी सरकार बुनियादी सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच सुनिश्चित करके विषमता की चुनौती से निपटना चाहती है। इन सुविधाओं में शामिल हैं- बैंकिंग, बिजली, आवास, बीमा, जल, स्वच्छ ईंधन आदि। इनकी असमानता दूर करने से हमारी आबादी की उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

तीसरी प्रतिबद्धता, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान व जल जीवन अभियान जैसी कल्याणकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ ने आम नागरिकों की एक बड़ी बाधा खत्म कर दी है। यह बाधा थी, इन सुविधाओं को हासिल करने की लागत। इसके अलावा, ये लोगों को सशक्त व आत्मनिर्भर बना रही हैं। जैसे, पीएम आवास योजना के तहत बने घर लाभार्थी परिवार के लिए जीवन भर की संपत्ति है।

चौथी प्रतिबद्धता, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण में तकनीक का इस्तेमाल। एसईसीसी के माध्यम से लाभार्थियों की पहचान और वंचित सुविधाओं के मानदंड के आधार पर प्राथमिकता तय करने की परंपरा ने सरकार को उन लोगों की मदद करने में सक्षम बनाया है, जिन्हें इसकी सबसे अधिक जरूर है। जो सरकारें सार्वभौमिक सब्सिडी वाला शॉर्टकट अपनाती हैं, वे अक्सर गरीबों की अनदेखी करती हैं। दिल्ली में निचले तबकों के असंख्य परिवार पानी के कनेक्शन की कमी और दिल्ली जल बोर्ड की सीमित आपूर्ति के कारण पानी के लिए महंगे टैंकरों पर निर्भर हैं। इन घरों के लिए मुफ्त जल योजना का कोई मतलब नहीं है।

पांचवीं, विकास करने वाली वस्तुओं पर खर्च करने की प्राथमिकता न होने से पीढ़ीगत असमानता पैदा हो रही है। पीढ़ीगत ऋण अदला-बदली का विज्ञान और अर्थशास्त्र अपने शुरुआती चरण में बेहतर स्थिति में हैं। यह राज्यों व राष्ट्रों की सरकारों के बारे में भी सच है। मसलन, एक राज्य अपना कर्ज दूसरे राज्य को हस्तांतरित नहीं कर सकता, न ही कोई राष्ट्र दूसरे देश के साथ ऐसा कर सकता है। मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धियों में एक यह भी है कि वर्षों की राजकोषीय फिजूलखर्ची के बाद साल 2014 में हम राजकोषीय ईमानदारी के रास्ते पर लौट आए।

छठी, विनिर्माण और रोजगार पर मुफ्त उपहारों का दुष्प्रभाव पड़ता है। यह कुशल और प्रतिस्पर्द्धी बुनियादी ढांचे से ध्यान भटकाकर विनिर्माण क्षेत्र की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्द्धात्मकता को कम करती है।

साफहै, मुफ्त चीजें देने की संस्कृति के खतरों के बारे में प्रधानमंत्री की टिप्पणी से उन लोगों को सीख लेनी चाहिए, जो अविवेकपूर्ण सब्सिडी का वायदा करते हैं। इसे निचले तबकों को राज्यों द्वारा दिए जाने वाले समर्थन के विरोध में नहीं देखा जाना चाहिए, प्रधानमंत्री ने तो कल्याणकारी शासन का एक सफल मॉडल पेश किया है। अरस्तू ने कहा था, विषमता का सबसे बुरा रूप असमान चीजों को समान बनाने का प्रयास है। साफ है, 'मुफ्त की संस्कृति' समृद्धि का मार्ग नहीं, बल्कि वित्तीय आपदा का एक पासपोर्ट है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विज्ञान और अनुसंधान में विश्व नेता बनने का मौका

शैलजा वैद्य गुप्ता, वैज्ञानिक

कोरोना महामारी ने विश्व शक्ति संरचना में अभूतपूर्व उथल-पुथल मचाई है, और कई तरह के बदलावों को जन्म दिया है। विकसित दुनिया के देशों को एक सूत्र में पिरोने वाला धागा विज्ञान में उनका दबदबा था। लेकिन विज्ञान की प्रमुख आवाज को एक ऐसे राजनीतिक वर्ग से लड़ना पड़ा, जिसने कोविड-19 के बारे में वैज्ञानिक सलाह को मानने से इनकार कर दिया। भारत इस मामले में भाग्यशाली रहा। हमारे राजनीतिक नेतृत्व ने न सिर्फ विशेषज्ञों की बातें सुनीं, बल्कि ऐसी संरचनाएं बनाईं, जो महामारी से निपटने के उपयुक्त थीं।

भारत जैसा विविधताओं वाला देश, जहां की आबादी 130 करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है; जहां गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की भारी कमी है; जहां शोध एवं विकास की गति काफी धीमी रही और नौकरशाही का रवैया सुस्ती वाला है, इस महामारी में आसानी से पस्त हो सकता था, पर यह नहीं हुआ। मृतकों की गिनती करना तो आसान होता है, लेकिन कितने लोगों की जिंदगी बचाई गई, इसका आकलन हमेशा मुश्किल होता है। अकादमिक क्षेत्र, औद्योगिक घरानों और प्रशासनिक तंत्र ने एकजुट होकर कोरोना महामारी से लड़ने में हर मुमकिन कदम उठाया और लोगों की हिफाजत की।

यह एक ऐतिहासिक तथ्य है कि अपनी शासन-प्रणाली में बदलाव और नई महत्वपूर्ण नीतियों को लागू करने के लिए राष्ट्रों ने संकटों का खूब इस्तेमाल किया है। गौर कीजिए, दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (एनएसएफ) की स्थापना की थी, ताकि यह जाना जा सके कि युद्धकालीन समस्याओं के हल में इस्तेमाल सफल वैज्ञानिक प्रयोगों का शांति काल में कैसे लाभ उठाया जा सके? इसने वहां के कॉलेजों- विश्वविद्यालयों में शोध प्रणाली को मजबूत किया, शोध अनुदानों व फेलोशिप को बढ़ावा दिया और कई उदार कार्यक्रमों की शुरुआत की। कुछ शुरुआती शोधार्थियों को तो नोबेल पुरस्कार तक मिले।

चीन के प्रति बढ़े अविश्वास और अमेरिका-ब्रिटेन की अंदरूनी राजनीति में प्राथमिकताओं के बदलने से महामारी ने वैश्विक विज्ञान के नेतृत्व के मामले में एक तरलता की स्थिति पैदा कर दी है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपनी मजबूत बुनियाद का लाभ उठाते हुए भारत विज्ञान में वैश्विक नेतृत्व करने के लिए तैयार है। ऐसे में, यह शोध एवं विकास की नींव को और ठोस करने व नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने का समय है। कोरोना महामारी ने यह साफकर दिया कि यदि संसाधन और ज्ञान का साथ हो, तो महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। इसके लिए सरकार, उद्योग जगत, शिक्षाविदों और गैर-सरकारी संगठनों को एक साझा उद्देश्य के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। आजादी का 75वां वर्ष मना रहा भारत अपनी अब तक कि उपलब्धियों का जायजा ले रहा है और आने वाले दशकों में दुनिया का नेतृत्व करने का एक रोडमैप भी तैयार कर रहा है। इसके पास अनुसंधान संगठनों, संस्थानों और केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों का एक मजबूत नेटवर्क है। देश में 1,043 डीम्ड विश्वविद्यालय, 135 राष्ट्रीय महत्व के संस्थान, 42,353 कॉलेज और 609 रिसर्च लैब हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, भारतीय विज्ञान संस्थान और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान जैसी विश्वस्तरीय सुविधाओं को गढ़ने में देश ने काफी समय और धन का निवेश किया है। पर भारत को ज्ञानार्जन के क्षेत्र में अपने रोडमैप में बदलाव की जरूरत है, जो हासिल हो सकने वाले लक्ष्यों पर आधारित हों और जो इसे एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने का स्पष्ट रास्ता दिखाते हों। इन बदलावों से विज्ञान और प्रौद्योगिकी को जोड़ना होगा, ताकि एक अनूठा सिस्टम खड़ा किया जा सके। अनुसंधान व नवाचार की प्रतिस्पर्द्धात्मकता हमारा आदर्श हो, न कि सिर्फ आपातकालीन प्रतिक्रिया।

अपने सिस्टम के पुनर्गठन के साथ भारतीय विज्ञान विश्व नेता के रूप में उभर सकता है। इसे एक नया ढांचा चाहिए। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) चीजों को अलग तरह से करने की राह दिखाता है। इसलिए यह काफी जरूरी है कि सरकार एनआरएफ की स्थापना को अपनी रजामंदी दे। यह भारत को उसके दूरगामी लक्ष्यों तक पहुंचाने में यकीनन कारगर साबित होगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

भागते वक्त का इतिहास अतीत के पन्ने, तमाम जिंदगी ढूंढती रही खुद को, खुद में पर पा नहीं सकी।

-अंजली जैन
7024460938

महंगाई पर भी बिखरा विपक्ष!

हरिशंकर व्यास

विपक्ष, मोदी सरकार की गारंटी है। वक्त भले विपक्ष को छप्पर फाड़ मौका देता हुआ है लेकिन विपक्ष को केवल अपने पांवों पर कुल्हाड़ी मारनी है। सोचें, महंगाई की मौजूदा दशा पर। लेकिन इस सप्ताह संसद परिसर में कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने विरोध किया तो उससे ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल की पार्टी के सांसद दूरी रखे हुए थे। किसलिए? ताकि वे कांग्रेस के साथ न दिखलाई दें! ममता बनर्जी भी अपनी अकेली की ताकत के भरोसे में हैं तो अरविंद केजरीवाल भी। वे मानते हैं ऐकला चलो से फलेंगे-फूलेंगे। अपने को बचाए रख सकते हैं। कांग्रेस और बाकी दूसरी विरोधी पार्टियों का पतन होगा और उनका उत्थान। अपनी ताकत बना कर, अपने को बचा कर, रेवड़ी राजनीति करके वे भाजपा के विकल्प बनेंगे। भाजपा की रेवड़ियों, भाजपा के पैसे, बाहुबल को मात देने वाले सूरमा बनेंगे!

तभी महंगाई याकि जनता के मुद्दे पर भी अलग ढपली बजाओ। राष्ट्रपति चुनाव में आदिवासी द्रौपद्री मुर्मू से आदिवासी वोटों के स्वार्थ में यशवंत सिन्हा से दूरी और भाजपा के उम्मीदवार को समर्थन समझा जा सकता है लेकिन महंगाई, लोगों की रोजमर्रा की दिक्कतों पर भी विपक्षी एकता और साझा विरोध की सोच नहीं तो आगे के लोकसभा चुनाव में क्या होना है, समझ सकते हैं। सत्य है कि ममता बनर्जी ने खुद यशवंत सिन्हा का नाम सुझाया था। पर ममता बनर्जी ने बंगाल आने के लिए नहीं कहा। हेमंत सोरेन की जेएमएम, नवीन पटनायक की पार्टी का रुख आदिवासी कार्ड में समर्थन का था। हिसाब से हेमंत और नवीन पटनायक का अपने प्रदेशों में ठोस आदिवासी वोट आधार है। सवाल ही नहीं उठता कि यदि वे द्रौपदी मुर्मू को वोट नहीं डालते तो आदिवासी नाराज होते तथा भाजपा का आदिवासी वोट बढ़ता। मोदी राज में आठ साल से दलित, आदिवासी वोटों में जो पोजिशनिंग हुई पड़ी है उसमें चेहरों की प्रतीकात्मक राजनीति से अब फर्क नहीं पड़ना है। यदि विरोधी पार्टी के नेता सांसदों-विधायकों को अंतरात्मा की आवाज से वोट देने का पैंतरा चलते तब भी वह समझदारी वाला रास्ता होता।

लेकिन जनता को विपक्ष का सीन बंटा और बिखरा दिखलाई दिया। उस नाते राष्ट्रपति चुनाव और महाराष्ट्र में अघाड़ी सरकार का पतन सन् 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले का वह मोड़ है, जो विपक्ष को आगे कंफ्यूज किए रहेगा। एक तो शरद पवार अब लोकसभा चुनाव में भूमिका निभाने की स्थिति में नहीं रहे हैं। ममता बनर्जी, शरद पवार, केसीआर जैसे दो-चार नामों से विपक्षी मोर्चे के बनने या प्रधानमंत्री पद की उम्मीदवारी के पहले जो ख्याल हुआ करते थे वे सब बेमतलब हो गए हैं। जब शरद पवार महाराष्ट्र में अपना मोर्चा और सरकार नहीं बचा पाए तो देश के लिए क्या विकल्प बना सकेंगे!

उस नाते शरद पवार की चुनौती खत्म करने के बाद सन् 2024 से पहले मोदी सरकार केसीआर, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल का या तो विधानसभा चुनाव या विधानसभा ही खत्म कर या सीबीआई-ईडी जैसे हथकंडों से निपटाने का रोडमैप बनाए हुए होगी। मैं नहीं मानता की अभी तेलंगाना में चंद्रशेखर राव की पार्टी चुनाव हार सकती है। लेकिन हैदराबाद की बैठक के साथ भाजपा जैसा टकराव बना रही है तो संभव है अगले साल के विधानसभा चुनाव में टीआरएस को दिक्कत हो। ऐसे ही यह नामुमकिन नहीं है जो केंद्र सरकार दिल्ली में विधानसभा ही खत्म कर, राजधानी दिल्ली में पुरानी व्यवस्था बहाल करके अरविंद केजरीवाल को पैदल बना दे। बाद में वे पंजाब की सरकार से राजनीति कर पाएं, यह संभव नहीं है। केंद्र सरकार के लिए दिल्ली, महाराष्ट्र से भी ज्यादा आसान पंजाब सरकार को ठिकाने लगाना है। जब शरद पवार, उद्धव ठाकरे जैसे अपनी सरकार नहीं बचा पाए तो पंजाब में खालिस्तान, भ्रष्टाचार, चौबीसों घंटे एजेंसियों के निगरानी का ऐसा गोला-बारूद है कि न वहां धमकाना मुश्किल है और न खरीदना। फिलहाल हिमाचल, गुजरात में कांग्रेस के वोट कटवाने में भाजपा के लिए आप की उपयोगिता है, इसलिए कुछ समय टले रह सकता है। मगर केजरीवाल क्योंकि दिल्ली की छाती में मूंग दलते हुए हैं और सन् 2014 से ही, वाराणसी से मोदी बनाम केजरीवाल में ईगो की लड़ाई का सत्य है तो सर्वाधिक गाज तो केजरीवाल पर ही गिरेगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

महक सेनीटेशन

सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें

अनिल गुप्ता
मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

Sargam Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
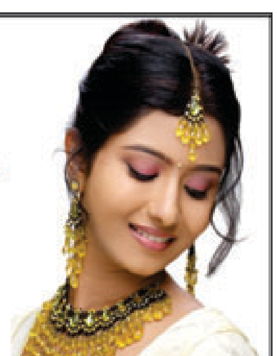
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

करसा गांव से मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ यात्रा की हुई शुरूआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की पहल पर प्रदेश की महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों और कानूनों की जानकारी देकर जागरूक करने और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ यात्रा शुरू की गई है। मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ यात्रा की शुरूआत दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक के करसा गांव से हुई। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने हरेली तिहार के अवसर पर गुरूवार को करसा गांव से 'मुख्यमंत्री महतारी न्याय रथ' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शुभारंभ के पहले दिन यह रथ मुख्यमंत्री श्री बघेल के विधानसभा क्षेत्र ग्राम करसा, जामगांव एम और अमलेश्वर पहुंचा और महिलाओं को जागरूक किया।

प्रारंभिक चरण में महतारी न्याय रथ दुर्ग जिले के महिला बाल विकास विभाग के आठ सेक्टरों में भ्रमण करेगा। यात्रा के दूसरे दिन महतारी न्याय रथ दुर्ग जिले के तेलीगुंडरा, असोगा, रानीतराई और झीठ गांव पहुंचा और महिलाओं को उनके विधिक अधिकारों से जागरूक कराया। इसके बाद न्याय रथ जिले के दरबारमोखली, जामगांव आर, गाडाडीह और सेलूद पहुंचेगा।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. नायक ने बताया कि रथ के माध्यम से लोगों को राष्ट्रीय विधिक जागरूकता पर बनी चयनित और पुरस्कृत लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। यह रथ गांव-गांव में भ्रमण कर महिलाओं के कानूनी प्रावधानों और उनके संवैधानिक अधिकारों के बारे में अवगत कराएगा। इसके लिए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पुरस्कृत कानून संबंधी फिल्में उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें मुख्य रूप से भोर के किरण (टोनही प्रताड़ना), नन्ही परी (भ्रूण हत्या), कैसे कहूं ना (नशामुक्ति), ''बोलते दरख्त'' (मानव तस्करी), भंवर (साइबर क्राइम), खुशी (पास्को एक्ट, घरेलु हिंसा गुडटच, बैडटच), फुलवा (घरेलु हिंसा और नशा), ''अधिकार किसका'' (प्रसव पूर्व लिंग परीक्षण, दहेज प्रताड़ना), सार्थक (बालश्रम और बंधवा मजदूरी) फिल्में शामिल हैं। इसके साथ ही स्त्री शिक्षा, नाबालिकों का विवाह और उनका घर से भाग जाना जैसे विषयों को भी इसमें शामिल किया गया है।

डॉ. नायक ने बताया कि प्रथम चरण में न्याय रथ प्रदेश के नौ जिलों में जाएगा। महतारी न्याय रथ का संचालन जिलों को प्राप्त डीएमएफराशि से किया जा रहा है। इस अभियान के तहत महिलाओं को नि:शुल्क कानूनी सहायता भी दी जाएगी। प्रत्येक महतारी न्याय रथ में 2 अधिवक्ता भी होंगे, जो महिलाओं की समस्याओं को सुनकर उन्हें जानकारी और सलाह देंगे। न्याय रथ के माध्यम से महिलाएं आवेदन भी दे सकेंगी। प्राप्त आवेदनों का महिला आयोग द्वारा निराकरण किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश सरकार ने डीएमएफ पॉलिसी में विशेष बदलाव किए हैं।

दरभा ब्लॉक में लगे हाट-बाजार से 12,571 ग्रामीणों को मिला स्वास्थ्य लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। सर्दी-बुखार, दर्द, मौसमी बीमारी, बीपी-शुगर की दवाई की बात हो या खून जांच कराने की; हाट-बाजार क्लीनिक में सब सुविधाएं दी जा रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों को दवाई, जांच या इलाज के लिए अब न तो दूर-दूर भटकना पड़ रहा है और न ही उनमें इलाज के खर्च का कोई तनाव है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ तरीके से पहुंचाने के लिए छतीसगढ़ सरकार द्वारा अक्टूबर-2019 से मुख्यमंत्री हाट-बाजार योजना शुरू की गई है। बीच में कोविड काल में इसकी रफ्तार में रुकावट आई थी, लेकिन अब पुन: यह लोगों की सेवा में अनवरत जारी है। इसी क्रम में दरभा ब्लॉक के सात बाजारों में हाट-बाजार क्लीनिक संचालित की जा रही है

इस संबंध में आर.एम.ओ पवन वर्मा ने बताया: ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना दरभा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले अन्य नजदीकी क्षेत्रों में भी संचालित हो रही है, जिसके तहत बाजार में ही निश्चित स्थल पर स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों का मौसमी सर्दी-खांसी बुखार, दर्द, मलेरिया, पेचिस, दस्त, उल्टी, रक्त अल्पता, कमजोरी, ब्लड प्रेशर, मधुमेह, आदि बीमारियों की जांच, उपचार व चिकित्सकीय परामर्श के साथ ही टीबी एवं कैंसर के संभावित मरीजों की स्क्रीनिंग भी की जा रही है। परीक्षण के उपरांत उन्हें तत्काल नि:शुल्क दवाओं का भी वितरण किया जाता है।

शिविर में आए मरीजों को गंभीर रोग होने की स्थिति में मुख्यालय अथवा अन्य बड़े अस्पतालों के लिए रिफर भी किया जाता है। दरभा ब्लॉक में लगे क्लीनिक के माध्यम से अबतक 12,571 ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ प्रदान किया गया है।

बाजार क्लीनिक में अपनी जांच कराने आये ककालगुर निवासी बलीराम ने बताया: बीते कुछ महीनों से मुझे खांसी हो रही थी शुरुआत में इसे नजरअंदाज किया, लेकिन पिछले सप्ताह से खांसी बड़ गयी थी इसलिये बाजार में ही अपनी जांच करवाने आया हू। डॉ.ने जरूरी दवा दे दी है, साथ ही बलगम की जांच कराने और बीड़ी के सेवन का प्रयोग बंद करने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, हाट बाजार क्लीनिक योजना की शुरुआत से अबतक दरभा ब्लॉक में कुल 2695 लोगों की मलेरिया जांच बाजार स्थल पर की गई है। वहीं 1847 एनीमिया जांच, 3333 उच्च रक्तचाप जांच, 4338 मधुमेह जांच, 1008 दृश्यता परीक्षण जांच, 351 कुपोषण जांच, 139 सिकल सेल जांच, 28 कुष्ठ जांच, 261 टीबी संदिग्धों को बलगम जांच के लिये नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र रिफर किया गया।

खास खबर

अनुदान राशि का जनहित में उपयोग करें स्थानीय निकाय - मुख्य सचिव

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने स्थानीय निकायों को 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त अनुदान राशि का उपयोग जनहित के कार्यों करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव जैन आज यहां महानदी मंत्रालय भवन में स्थानीय निकायों को 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त होने वाले अनुदान की निगरानी एवं समीक्षा हेतु गठित उच्च स्तरीय निगरानी समिति को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि स्थानीय निकायों को 15वें वित्त आयोग के तहत प्राप्त अनुदान की राशि लोगों की विविध आवश्यकताओं के कार्यों पर व्यय करना सुनिश्चित करें। बैठक में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग की सचिव श्रीमती अलरमेल मंगई डी. ने बताया कि केन्द्रीय वित्त आयोग के अंतर्गत प्राप्त अनुदान से नगरीय प्रशासन विभाग को नगरीय निकायों में लगभग 1544 कार्य स्वीकृत किए गए है जिसमें से 1385 कार्य प्रगतिरत है और 159 पूर्ण कर लिए गए है। इसी तरह से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव प्रसन्ना आर ने बताया कि प्रदेश की विभिन्न ग्राम पंचायतों के अंतर्गत करीब 5 लाख 14 हजार 176 विभिन्न कार्यों को स्वीकृति दी गई है, इसमें करीब एक लाख 47 हजार 376 कार्य प्रारंभ किए गए है। मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आयोजित बैठक में सचिव कृषि डॉ. कमलप्रीत सिंह, नोडल अधिकारी नरवा, गरवा, घुरवा एवं बाड़ी तथा संचालक नगरीय प्रशासन अयाज तम्बोली सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए।

व्यापार के विस्तार के लिए करें स्वनिधि योजना की राशि का उपयोग-मंत्री लखमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। स्वनिधि महोत्सव कार्यक्रम में उद्योग मंत्री एवं बस्तर जिला प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा ने कहा कि बस्तर-जगदलपुर बदल रहा है शहर में कई विकास कार्य हुए है। शहर में अब स्वनिधि महोत्सव के माध्यम से छोटे व्यापारियों को लाभ मिल रहा है। व्यापारी को पैसा का उपयोग व्यापार विस्तार में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की योजनाओं की चर्चा विदेशों में होने लगी है। लोंगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, गाँव में विकास दिख रहा है। किसी क्षेत्र में हो मेहनत करने वालों को हमेशा लाभ होता है। स्वनिधि महोत्सव का शुभारम्भ संसदीय सचिव श्री रेखचन्द जैन द्वारा किया गया।

पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी सभागार टाउन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती सफीरा साहू, निगम अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू, पार्षदगण, आयुक्त नगर निगम श्री दिनेश नाग सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं विधायक केशकाल श्री संतराम नेताम ने कहा कि स्वनिधि महोत्सव का लाभ हितग्राहियों को लेना चाहिए, ये आर्थिक सहायता उनके व्यापार में सहायक होगा।

संसदीय सचिव श्री रेखचन्द जैन ने कहा कि कोरोना ने सभी को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से क्षति पहुँचाई है। इसका प्रभाव छोटे व्यापारियों को भी हुआ है। स्वनिधि योजना से हमारे छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहायता मिली है। 75 वर्ष आजादी के अमृत महोत्सव में आयोजित इस स्वनिधि महोत्सव में योजना का लाभ लेकर व्यापारी अपने व्यापार को बढ़ाएं। साथ ही अन्य नागरिक भी प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मितान योजना, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना, धंवंतरी मेडिकल योजना सहित अन्य योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ लें। कार्यक्रम को सम्बोधित करते महापौर श्रीमती सफीरा साहू ने बताया कि योजनान्तर्गत जगदलपुर एवं आस-पास ग्रामीण क्षेत्रों के 1439 पात्रहितग्राही ने इस योजना का लाभ ले चुके हैं। प्राप्त लक्ष्य 2509 के विरुद्ध निकाय द्वारा 2609 लोंगों का प्रकरण बैंकों में प्रेषित किया है।कार्यक्रम में निगम अध्यक्ष श्रीमती कविता साहू ने भी योजना लाभ लेने कहा। नगर निगम आयुक्त श्री नाग ने बताया कि देश के 75 नगर निगम में यह योजना का प्रारम्भ किया जा रहा है, जिनमें जगदलपुर नगर निगम भी शामिल है ।

उल्लेखनीय है कि कोविड 19 महामारी और लगातार बढ़ते हुए लाकडाउन से पथ विक्रेताओं की जीविकोपार्जन पर पड़े विपरीत प्रभाव से निकालने के लिए कार्यशील पूंजी हेतु ऋण की आवश्यकता को देखते हुए प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना मार्च 2020 से आरम्भ की गयी है। इस योजना के तहत शहरी पथ विक्रेताओं, रेहाड़ी-ठेला-पटरी पटरी पर सामान बेचनेवालों के आर्थिक हितों को सुनिश्चित करने के लिए शासन द्वारा ऋण प्रदान किया जा रहा है। योजना का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्र या आसपास सड़क किनारे, ठेला लगा कर, विशेषकर रेहाड़ी-ठेला-पटरी पर सामान बेचने वाले या बाजार में अस्थाई प्लास्टिक शेड लगाकर घूम-घूम कर खाद्य सामग्री, प्लास्टिक खिलौने, सब्जी एवं अन्य उपयोगी सामान विक्रय कर अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन करने वाले व्यक्ति पथ विक्रेता की श्रेणी में आते हैं उन्हें शहरी पथ विक्रेता या स्ट्रीट वेंडर कहते हैं।

योजनांतर्गत प्रत्येक हितग्राही को 10 हजार रूपये तक सिक्योरिटी फ्री ऋण प्रदान किया जाना हैं। नियमित भुगतान पर 7 प्रतिशत ब्याज में सब्सिडी तथा डिजिटल लेन-देन पर साल में एक हजार दो सौ रुपए तक कैशबैक प्रदान किया जा सकता है। समय पर ऋण राशि भुगतान किये जाने पर, द्वितीय किस्त 20 हजार रूपये एवं तृतीय किस्त 50 हजार रूपये तक ऋण राशि प्रदान किये जाने का प्रावधान है।कार्यक्रम में पथ विक्रेताओं को प्रशस्ति पत्र, युपीआई कोड, बैंकर कोड, स्व- सहायता समूह को चेक का वितरण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र में एग्री-स्टार्टअप पर एक दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिला पंचायत अध्यक्ष निराकार पटेल के मुख्य आतिथ्य में कृषि विज्ञान केन्द, रायगढ़ में हरेली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ी महतारी की पूजा अर्चना के बाद कृषि प्रदर्षनी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस क्रम में जिला प्रशासन रायगढ़ के सहयोग से आयोजित कृषि उद्यमिता पर आधारित कृषि छात्र-छात्राओं हेतु एग्री-स्टार्टअप को जोर देने हेतु कृषि प्रदर्षनी आयोजित की गई। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत अबिनाष मिश्रा भी उपस्थित रहे।

निराकार पटेल ने विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए प्रदर्षित मॉडल की खूब प्रसंषा की। साथ ही इस आयोजन के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र को बधाई दी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी अबिनाष मिश्रा ने प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते हुए विद्यार्थियों द्वारा लगाये गये प्रदर्षनी की प्रषंसा की तथा विद्यार्थियों को नवाचार से जोड़कर कृषि विज्ञान केन्द्र के मार्गदर्षन में कृषि उद्यम स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र, रायगढ़ द्वारा किये जा रहे तकनीकी अनुसंधान एवं गतिविधियों के साथ-साथ कृषि प्रदर्षनी प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र को बधाई एवं धन्यवाद दिए।

कृषि विज्ञान केन्द के तकनीकी मार्गदर्षन में कृषि प्रदर्षनी के अंतर्गत एग्री-स्टार्टअप एवं कृषि में नवाचार को बढ़ावा देने हेतु कृषि छात्र-छात्राओं द्वारा महत्वपूर्ण एवं अति उपयोगी कृषि मॉडल जैसे-बांस उत्पादन एवं बांस से निर्मित मॉडल, समन्वित कृषि प्रणाली, हाइड्रोपोनिक्स तकनीक, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, गाजर घास प्रबंधन, प्रिसिजन एग्रीकलचर, आदर्ष गोठान, ड्रोन तकनीक आदि प्रदर्षित किये गये थे।

हरेली पर्व के अवसर पर डॉ. मनीषा चौधरी के मार्गदर्षन में विभिन्न छत्तीसगढ़ी व्यंजनो की प्रदर्षनी भी लगाई गई थी, जिन्हे अतिथि द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया। जिसमें केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा विषेषकर डॉ. नानकचंद बंजारा जिले में कृषकों की मांग अनुरूप विभिन्न फलों की मातृ रोपणी तैयार करने हेतु राष्ट्रीय स्तर के अनुसंधान केन्द्रों से लाये गये नीबू वर्गीय, आम, अमरूद, अनार एवं अन्य फलों के उच्च गुणवत्ता से परिपूर्ण पौधे रोपित किये गये।

अतिथियों द्वारा केन्द्र के विभिन्न प्रदर्षन इकाई का भ्रमण किया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख इंजी.आर.के.स्वर्णकार द्वारा केन्द्र की प्रसार गतिविधियों, विभिन्न अनुसंधान कार्य एवं प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन मृदा वैज्ञानिक के.डी.महंत द्वारा किया गया।

मंत्री श्रीमती भेंड़िया उज्ज्वल भारत-उज्ज्वल भविष्य कार्यक्रम में हुई शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया आज बालोद जिले के जनपद पंचायत डौंडी में अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'उज्वल भारत-उज्वल भविष्य' कार्यक्रम में शामिल हुई। इस अवसर पर संसदीय सचिव व गुंडरदेही विधायक कुंवरसिंह निषाद भी मौजूद थे।

कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा और राजगीत से हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती भेंडिया ने कहा कि विद्युत ऊर्जा वर्तमान की महती आवश्यकताओं में से एक है, जिसके बिना दैनिक जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती।

घर से लेकर बड़े-बड़े कारखानों के लिए विद्युत ऊर्जा अतिआवश्यक जरूरत है। उन्होंने कहा विद्युत ऊर्जा को आवश्यकता अनुरूप ही उपयोग करना चाहिए, अनावश्यक रूप से विद्युत ऊर्जा का दोहन नहीं करना चाहिए।

संसदीय सचिव श्री निषाद ने भी अपने संबोधन में विद्युत ऊर्जा का सदुपयोग करने व ऊर्जा का बचत करने की बात कही। विद्युत विभाग के मुख्य कार्यपालन अभियंता श्री टी.एल. सहारे ने विद्युत विभाग से संबंधित छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओ को विस्तार पूर्वक बताया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ लोकगीत व लोक नृत्य एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बिजली बचाव के लिए जागरूक किया गया।

अतिथियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को एलईडी बल्ब वितरण किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती बसंती दुग्गा, जनपद उपाध्यक्ष श्री पुनीत राम सेन सहित कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह और विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

खास खबर

राज्य में खाद-बीज और औषधियों की गुणवत्ता की जांच अभियान जारी

रायपुर। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के निर्देशानुसार खाद-बीज एवं पौध संरक्षण औषधि की गुणवत्ता की जांच का अभियान राज्य के सभी जिलों में जारी है। कृषि विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी अपने-अपने इलाकों में लगातार बीज, खाद और औषधियों के सेम्पल ले रहे हैं, जिसकी जांच गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला में की जा रही है। चालू खरीफसीजन में अब तक बीज के 80 नमूने तथा रासायनिक उर्वरक के 62 नमूने अमानक पाए गए हैं, जिनके लाट के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के साथ ही संबंधित फर्मों को नोटिस जारी किया गया है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार चालू खरीफसीजन में बीज के अब तक 2686 नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजे गए हैं, जिसमें से 2554 सैंपल मानक स्तर के तथा 80 सैम्पल अमानक पाए गए हैं। बीज के 52 नमूनों का परीक्षण अभी प्रक्रिया में हैं। इसी तरह रासायनिक उर्वरकों की गुणवत्ता की जांच-पड़ताल के लिए कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षकों द्वारा राज्य के विभिन्न उर्वरक विक्रेता फर्मों से अब तक 1472 नमूने लिए गए हैं, जिसमें से 1135 नमूनों की जांच में 1073 नमूने मानक स्तर के तथा 62 अमानक पाए गए हैं। शेष 315 नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होना शेष है। अमानक बीज एवं खाद के लाट के विक्रय को विभाग द्वारा प्रतिबंधित किए जाने के साथ संबंधित संस्थाओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह कीटनाशक औषधियों के 23 नमूने लिए गए है, जिसमें से 17 नमूने की रिपोर्ट मानक पायी गई है। शेष 4 सेम्पल निरस्त हो गए हैं, जबकि 2 नमूने की गुणवत्ता रिपोर्ट प्राप्त होना बाकी है।

किसानों को 7 लाख 89 हजार 804 क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित

रायपुर। राज्य में चालू खरीफ सीजन में शासन के विभिन्न संस्थान एवं निजी क्षेत्र के माध्यम से प्रमाणित बीज वितरित किए जाने की प्रक्रिया अनवरत रूप से जारी है। जिसके तहत किसानों को अब तक विभिन्न खरीफ फसलों के 7 हजार 89 हजार 804 क्विंटल प्रमाणित बीज वितरित किया गया है। चालू खरीफसीजन में बीज वितरण की यह मात्रा निर्धारित लक्ष्य 10 लाख 5 हजार क्विंटल की तुलना में 77 प्रतिशत है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सरकारी संस्थाओं सहित निजी क्षेत्रों में अब तक कुल 8 लाख 68 हजार 429 क्विंटल प्रमाणित बीज का भण्डारण किया गया है, जोकि लक्ष्य का 86 प्रतिशत है। भण्डारित प्रमाणित बीजों में 8 लाख 7 हजार 529 क्विंटल धान, 28 हजार 357 क्विंटल मक्का, 4452 क्विंटल अरहर, 15027 क्विंटल सोयाबीन तथा 13064 क्विंटल अन्य फसलों के बीज शामिल हैं। किसानों द्वारा अब तक सहकारी समितियों, शासकीय कृषि प्रक्षेत्र उत्पादन कार्यक्रम सहित निजी क्षेत्रों से 7 लाख 33 हजार 299 क्विंटल धान, 26 हजार 990 क्विंटल मक्का, 3751 क्विंटल अरहर, 14 हजार 871 क्विंटल सोयाबीन तथा 10 हजार 853 क्विंटल अन्य खरीफ फसलों के बीज का उठाव किया गया है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 549.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 549.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से 29 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1419.6 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 193.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 222.1 मिमी, सूरजपुर में 290.2 मिमी, जशपुर में 274.7 मिमी, कोरिया में 320.5 मिमी, रायपुर में 370.4 मिमी, बलौदाबाजार में 539.1 मिमी, गरियाबंद में 636.6 मिमी, महासमुंद में 551.6 मिमी, धमतरी में 646.5 मिमी, बिलासपुर में 601.9 मिमी, मुंगेली में 619.1 मिमी, रायगढ़ में 515.4 मिमी, जांजगीर-चांपा में 658.5 मिमी, कोरबा में 431.8 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 530.8 मिमी, दुर्ग में 506.8 मिमी, कबीरधाम में 536.5 मिमी, राजनांदगांव में 578.3 मिमी, बालोद में 678.2 मिमी, बेमेतरा में 380.3 मिमी, बस्तर में 702.0 मिमी, कोण्डागांव में 625.7 मिमी, कांकेर में 731.9 मिमी, नारायणपुर में 555.1 मिमी, दंतेवाड़ा में 736.4 मिमी और सुकमा में 544.8 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

प्रदेशवासियों का स्नेह व सम्मान पाकर अभिभूत आपका स्नेह ही मेरी ऊर्जाः सुश्री उइके

राज्यपाल सुश्री उइके के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण

निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग ने आयोजित किया सम्मान समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके के प्रदेश के राज्यपाल के पद पर तीन वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर आज राजभवन के दरबार हॉल में छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग एवं समस्त विश्वविद्यालयों द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने राज्यपाल सुश्री उइके को स्मृति चिन्ह, उनकी स्केच, शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया।

राज्यपाल सुश्री उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सम्मान समारोह के आयोजन के लिए निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग सह विश्वविद्यालयों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों का स्नेह व सम्मान ही मेरी ऊर्जा है। छत्तीसगढ़ राजभवन को राष्ट्रीय स्तर पर जो ख्याति मिली है, वह यहां की जनता के स्नेह का परिणाम हैं। कोविड महामारी की विपरीत परिस्थितियों में विश्वविद्यालयों ने भी शिक्षा के साथ कोरोना संबंधी जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन किया। चुनौतीपूर्ण समय में विद्यार्थियों के साथ खड़े रहकर उनका सहयोग और मार्गदर्शन किया। राज्यपाल सुश्री उइके ने कहा कि सदन में उपस्थित आप सभी महत्वपूर्ण पदों पर हैं, जब आपके विद्यार्थी अच्छा काम करते हैं या उपलब्धि हासिल करते हैं तो आप सबको खुशी होती है। वैसे ही जब प्रदेश का यश बढ़ता है तो प्रदेशवासियों की तरह मैं भी गौरवान्वित महसूस करती हूं। राज्यपाल ने अपने संबोधन में राजभवन सचिवालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की भी जानकारी दी। साथ ही राजभवन सचिवालय द्वारा प्रारंभ की गई त्रैमासिक पत्रिका 'एक आशा' के बारे में बताया।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. उमेश मिश्रा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि निजी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए राज्यपाल का सतत् मार्गदर्शन मिल रहा है। उनके नेतृत्व में उच्च शिक्षा के माध्यम से कौशल सृजन के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्यपाल की सहजता और कार्य के प्रति निष्ठा से विद्यार्थियों के साथ-साथ हम सभी सदैव प्रोत्साहित होते हैं। इस मौके पर छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के सदस्य बृजेश चंद्र मिश्रा ने आयोग की गतिविधियों की जानकारी दी और राज्यपाल सुश्री उइके के तीन वर्ष पूर्ण करने पर अभिनंदन पत्र का वाचन किया। विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो, राज्यपाल के विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव, उपसचिव दीपक कुमार अग्रवाल, सभी राजकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, कुल सचिव सहित राजभवन सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल से उरांव समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

राजधानी रायपुर में आबंटित भूमि के विकास के लिए 50 लाख रूपए की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उरांव समाज को राजधानी रायपुर में पूर्व में आबंटित भूमि के विकास के लिए 50 लाख रूपए की राशि प्रदाय करने की घोषणा की। उन्होंने यह घोषणा आज शाम अपने निवास कार्यालय में उरांव समाज छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल की सौजन्य मुलाकात के दौरान की। इस अवसर पर खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, विधानसभा उपाध्यक्ष मनोज मंडावी, संसदीय सचिव यूडी मिंज, विधायक विनय भगत, विधायक गुलाब कमरो उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री बघेल ने समाज को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार समाज के सभी वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए कृत-संकल्पित है। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इनमें उनके शीघ्रता से विकास के लिए शिक्षा तथा स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने निरंतर कार्य हो रहे है, जिससे वे तेजी से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री बघेल ने इस दौरान उरांव समाज के प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखी गई मांगों पर तत्परता से कार्यवाही के लिए आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर समाज की जरूरत को ध्यान में रखते हुए उनकी मांग के अनुरूप जिला और ब्लॉक स्तर तक तेजी से सामुदायिक भवन की स्वीकृति सहित राशि उपलब्ध करायी जा रही है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में उरांव समाज के पदाधिकारी सर्वश्री विक्रम सिंह लकड़ा, आनंद प्रकाश टोप्पो, सेलबेस्तर एक्का, बसंत तिर्की, निकोलस पन्ना, उर्मिला केरकेट्टा, गुलाब कुजूर, सरोजनी तिग्गा, जयप्रकाश कुजूर, पात्रिक तिग्गा तथा विलयम तिग्गा आदि शामिल थे।

राज्य में 31 लाख 38 हजार हेक्टेयर में हो चुकी खरीफ फसलों की बुआई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में खरीफ फसलों की 31 लाख 37 हजार 860 हेक्टेयर बुआई हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का 65 प्रतिशत है। अब तक खरीफ फसलों के तहत सर्वाधिक 21 लाख 64 हजार 710 हेक्टेयर में धान की बोता बोनी हुई है, जबकि 44 हजार 530 हेक्टेयर में धान की रोपाई हो चुकी है। इसके अलावा मोटे अनाज की 2 लाख 16 हजार 890 हेक्टेयर में, दलहन की 1 लाख 40 हजार 580 हेक्टेयर में, तिलहन की 82 हजार 930 हेक्टेयर में तथा सब्जी एवं अन्य फसलों की 87 हजार 450 हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में धान की 2 लाख 61 हजार हेक्टेयर में, मक्का की 1 लाख 66 हजार 20 हेक्टेयर में, कोदो-कुटकी की 49 हजार 730 हेक्टेयर में, रागी की 1140 हेक्टेयर में इस प्रकार अनाज की कुल बोनी 28 लाख 26 हजार 900 हेक्टेयर में पूरी हो चुकी है, जो कि निर्धारित लक्ष्य का 74 प्रतिशत है। राज्य में दलहन फसलों की कुल बोनी एक लाख 40 हजार 580 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें अरहर 85 हजार 720, मूंग 8160 हेक्टेयर में, उड़द 46 हजार 350 हेक्टेयर में तथा कुल्थी की 350 हेक्टेयर में बुआई शामिल है। तिलहन फसलों की बोनी 82 हजार 930 हेक्टेयर में हुई है, जिसमें मुंगफली 38 हजार 310 हेक्टेयर में, तिल 8210 हेक्टेयर, सोयाबीन 36 हजार 410 शामिल है। साग-सब्जी और अन्य फसलों की बुआई 87 हजार 485 हेक्टेयर में पूरी कर ली गई है।

राज्य में चालू खरीफ सीजन में 5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की प्रचलित किस्मों के स्थान पर सुगंधित धान, जिंक धान, जैविक धान, मक्का, कोदो-कुटकी, दलहन और तिहलन की फसलों के साथ-साथ गन्ना की खेती को बढ़ावा देने के विशेष कार्यक्रम संचालित है। एक लाख 88 हजार 356 हेक्टेयर में प्रचलित धान के बदले अन्य फसलों के खेती के लिए 3 लाख 54 हजार 868 किसानों ने सहमति दी है। अब तक 38 हजार 442 किसानों द्वारा 25 हजार 549 हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ना एवं अन्य उद्यानिकी फसलों की बुआई भी पूरी कर ली गई है।

गोमूत्र की बिक्री से मिली राशि को मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा की

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीते 28 जुलाई को हरेली तिहार के अवसर पर प्रदेश में गोमूत्र खरीदी योजना की शुरुआत की। इसकी शुरुआत मुख्यमंत्री बघेल ने मुख्यमंत्री निवास में संचालित गौशाला के गायों से एकत्र 5 लीटर गोमूत्र को बेचकर किया। मुख्यमंत्री से गोमूत्र की खरीदी चंदखुरी के निधि स्व-सहायता समूह ने की। इसके एवज में स्व-सहायता समूह ने निर्धारित दर के अनुसार राशि 20 रुपये मुख्यमंत्री को दिए, जिसे मुख्यमंत्री बघेल के आग्रह पर मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराया गया। योजना शुरू होने के पहले ही दिन 2306 लीटर गोमूत्र की खरीदी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ गोबर के बाद अब गोमूत्र की खरीदी करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दो साल पहले 20 जुलाई 2020 को हरेली तिहार के मौके पर गोबर खरीदी योजना की शुरुआत की थी। दो साल के भीतर ही अब तक 77 लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की जा चुकी है, इसके बदले गौपालकों को 153.44 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। गोबर से वर्मी कम्पोस्ट और सुपर कम्पोस्ट बनाने का कार्य किया जा रहा है, जिसका उपयोग जैविक खेती के लिए किया जा रहा है। अब इसे विस्तारित करते हुए गोमूत्र की खरीदी की शुरुआत राज्य में की गई है। गोबर की तरह ही

गोमूत्र की खरीदी भी गौठानों में किए जाएंगे। प्रति लीटर गोमूत्र के एवज में 4 रुपये की दर निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री बघेल ने भी जब गोमूत्र खरीदी योजना का शुभारंभ करते हुए 5 लीटर गोमूत्र बेचा, जिस पर उन्हें 20 रुपये दिए गए। मुख्यमंत्री ने भी सहजता से 20 रुपये को स्वीकार किया और फिर समिति से मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करने का आग्रह करते हुए आमजनता को समर्पित किया।

गोमूत्र से बायोपेस्टीसाइड का निर्माण

जैविक खेती को ओर बढ़ते छत्तीसगढ़ में बीते दो वर्षों में बड़ी संख्या में कृषक वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग खाद के रूप में कर रहे हैं। अब गोमूत्र से बायोपेस्टीसाइड का निर्माण करने की तैयारी है। गोमूत्र के साथ नीम व अन्य जैविक रासायनों का इस्तेमाल कर कीट नियंत्रक, जीवामृत और ग्रोथ प्रमोटर जैसे उत्पाद बनाए जाएंगे। यह उत्पाद फसलों को कीटों से बचाने के साथ रासायनिक पेस्टीसाइड से होने वाले नुकसान से भी बचाएंगे, जिससे मानव शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से भी बचा जा सकेगा। वहीं इनकी कीमत भी रासायनिक पेस्टीसाइड से कम होगी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

ओटीटी के लिए भी करोड़ों चार्ज करते हैं ये सितारे, एक एपिसोड की फीस जान रह जाएंगे हैरान

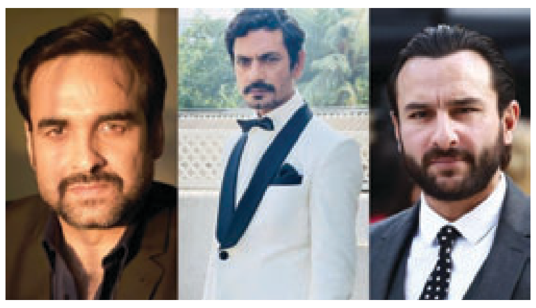

ओटीटी प्लेटफॉर्म के कंटेंट को लेकर फैंस के अंदर खासा उत्साहित नजर आते हैं, क्योंकि यहां पर उन्हें अपनी भाषा और जॉनर की चॉइस के हिसाब से बेशुमार कंटेंट मिल जाता है। यही वजह है कि लॉकडाउन समय के बाद से ओटीटी प्लेटफॉर्म मनोरंजन के लिए लोगों की पहली पसंद बन गए हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म नई प्रतिभाओं के लिए तो वरदान साबित हुए ही हैं, इसके साथ ही दर्शकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बॉलीवुड के कई सितारे भी ओटीटी पर अपना डेब्यू कर चुके हैं। बता दें कि ये सितारे सिर्फ बड़ी फिल्मों के लिए ही नहीं बल्कि ओटीटी पर काम करने के लिए भी मोटी फीस चार्ज करते हैं। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ कलाकारों की फीस के बारे में।

सैफ अली खान:- बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सैफअली खान भी ओटीटी डेब्यू कर चुके हैं। सैफ ने 'सेक्रेड गेम्स' से ही अपना ओटीटी डेब्यू किया था। इसे अलावा उन्होंने प्लेटफॉर्म 'तांडव' से भी खूब वाहवाही बटोरी। बात करें सैफअली खान की ओटीटी फीस की तो सामने आई जानकारी के मुताबिक अभिनेता ने 'सेक्रेड गेम्स' के दोनों सीजन के लिए 15 करोड़ फीस ली थी।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी:- अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को फिल्मों में तो दमदार अभिनय के लिए जाना ही जाता है, ओटीटी पर भी वह अपन जलवा कायम कर चुके हैं। नेटफ्लिक्स की सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के शानदार अभिनय को सभी ने सराहा है। रिपोट्र्स की मानी जाए तो इस सीरीज के सीजन 2 के लिए नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने 10 करोड़ रुपये चार्ज किए थे।

अली फजल:- मिर्जापुर वेब सीरीज में अभिनेता अली फजल अपनी ठेठ अदाकारी से छा गए थे। उनके डायलॉग लोगों की जुबान पर रटे हुए हैं। इस सीरीज में अली फजल का एक अलग अंदाज देखने को मिला था। रिपोट्र्स के अनुसार अली फजल ने सीरीज के हर एपिसोड के लिए करीब 12 लाख रुपये की फीस ली थी।

जितेंद्र कुमार:- 'पंचायत' सीरीज के दोनों सीजन में सचिव जी का किरदार निभाकर मशहूर हुए जितेंद्र कुमार ने अपनी दमदार अदाकारी से अलग पहचान बना ली है। बात करें उनकी ओटीटी फीस की तो जानकारी के अनुसार अभिनेता जितेंद्र ने पंचायत सीजन 2 के हर एपिसोड के लिए 50 हजार रुपये चार्ज किए हैं। ऐसा करके उन्होंने इस सीरीज से चार लाख रुपये की कमाई की है।

पंकज त्रिपाठी:- अभिनेता पंकज त्रिपाठी को फिल्मों से लेकर ओटीटी सीरीज तक में दमदार अभिनय के लिए जाना जाता है। वह ऐसे मंझे हुए कलाकार हैं, जो हर किरदार में छा जाते हैं और अपने दम पर फिल्म हिट कराने का माद्दा रखते हैं। मिर्जापुर' वेब सीरीज में कालीन भईया के नाम से पॉपुलर हुए पंकज त्रिपाठी भी ओटीटी के लिए मोटी रकम लेते हैं। रिपोट्र्स के अनुसार 'मिर्जापुर 2' के लिए पंकज त्रिपाठी ने 10 करोड़ रुपये चार्ज किए थे। इसकी सफलता के बाद उन्होंने 'सेक्रेड गेम्स 2' के लिए 12 करोड़ फीस ली थी।

इंडस्ट्री के सभी स्टार्स को आवाज दे चुका हूं, शाहरुख और आमिर सर की आवाज बनने की ख्वाहिश है: जुबिन नौटियाल

इंडिया के पॉपुलर सिंगर में से एक जुबिन नौटियाल फिल्मों में प्लेबैक सिंगिंग के साथ-साथ सिंग्लस में भी अपनी मखमली आवाज दे रहे हैं। अगस्त के पहले वीक में उनका एक नया सिंगल आ रहा है। जुबिन ने अपने नए गाने के बारे में बात की है। साथ ही अपनी ख्वाहिश भी जाहिर की है।

चार से पांच सिंग्लस लाइन अप हैं, फिल्में भी हैं। साथ ही भक्तिभाव वाले गाने भी गा रहा हूं। मौजूदा जनरेशन का मैं शायद इकलौता सिंगर हूं, जो इस जॉनर के गाने भी गा रहा हूं। वैसे भी मेरा अध्यात्म से गहरा नाता रहा है। बंगाली और तेलुगु गाने भी मैं गा रहा हूं। सौभाग्य से इंडिया के मौजूदा टॉप थ्री में नाम तो आता है मेरा। अलग-अलग कंपोजर्स के साथ गाने के मौके खूब मिल रहे हैं। गौर करने वाली बात यह रही कि इंडिपेंडेंट म्यूजिक वर्ल्ड में मेरा नाम काफी हो गया। जो म्यूजिक वीडियो किए, वो लोगों को खासे पसंद आए। खासकर जिन वीडियो में मैंने खुद एक्ट किया है।

कुछ गाने तो पायल देव के साथ आएंगे। हमने पहली बार मरजांवा फिल्म में तुम्ही आना गाया था। वह ब्लॉकबस्टर सॉन्ग रहा। आगे जो गाना हम ला रहे हैं, उनमें सत्तर और अस्सी के दशक के दौर का फील है। हमने साथ ही कुछ डांस नंबर किए हैं, वो शूट हो चुके हैं।

मैं कर सकता हूं। बहुत बड़े प्रोड्युसरों ने मुझे बतौर एक्टर फिल्में ऑफर की भी हैं। हालांकि मैं उन फिल्मों के नाम नहीं ले सकता, क्योंकि मैंने फिल्मों के ऑफर एक्सेप्ट किए नहीं हैं। बेशक मैं एक्ट कर भी सकता हूं, जितना मैं उसको समझ पाया हूं। लोगों को भी पसंद आता हूं मैं स्क्रीन पर। मगर मुझे संगीत के अलावा कुछ सूझता नहीं। तो मेरी एक्टिंग म्युजिक वीडियोज तक ही सीमित रहेंगे।

चार अगस्त को एक गाना रिलीज हो रहा है, वह सैड सॉन्ग है। गुरमीत चौधरी और आरुषि निशंक पर फिल्माया गया है। मैंने उसकी डबिंग पिछले दिनों ही की है। यह गाना इस लिहाज से स्पेशल रहा कि जब मैं गाना रिकॉर्ड कर रहा था, तो उसका असर ऐसा रहा कि इसके कंपोजर मनमीत ब्रद्रर्स की आंखों में आंसू आ गए थे। यह बतौर गायक किसी के लिए बड़ी बात है। गुरमीत का पिता बनने के बाद यह पहला सॉन्ग रिलीज है। जनता को यह बहुत रुलाएगा। फिल्मों के लिहाज से मिशन मजनू और गदर-2 में मेरे गाने आने वाले हैं।

मंदाकिनी: सफेद साड़ी में झरने के नीचे दिया था बोल्ड सीन, दाऊद संग नाम जुड़ते ही डूब गया था करियर

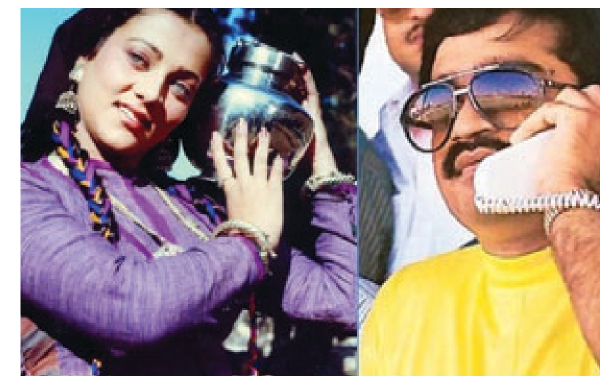

फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' को कोई कैसे भूल सकता है। यदि फिल्म के बारे में न भी याद हो तो इसकी अभिनेत्री मंदाकिनी तो जरूर याद होंगी, जिन्होंने इस पिक्चर में सफेद रंग की झीनी सी साड़ी में झरने के नीचे भीगते हुए उस जमाने का बेहद ही बोल्ड सीन किया था। मंदाकिनी इस फिल्म से रातों-रात स्टार बन गई थीं। इस फिल्म के बाद अपने छह साल के करियर में उन्होंने बेहतरीन फिल्में की और फिर बॉलीवुड से कहां गायब हो गईं, इस बात की किसी को भनक भी नहीं लगी। 30 जुलाई को मंदाकिनी अपना 58वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर हम आपको उनसे जुड़ी कुछ खास बातें बताने जा रहे हैं।

30 जुलाई 1963 को जन्मी मंदाकिनी का असली नाम यासमीन जोसेफ है। मंदाकिनी की मां मुस्लिम और पिता ईसाई थे। ये उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले की रहने वाली हैं। मंदाकिनी को बचपन से ही एक्टिंग का बहुत शौक था, लेकिन उन्हें सही मौका नहीं मिल पा रहा था। फिर एक दिन 'राम तेरी गंगा मैली' को डायरेक्ट कर रहे एक्टर राजकपूर ने मंदाकिनी को 22 साल की उम्र में पहली बार देखा। जिसके बाद उन्होंने मंदाकिनी को फिल्म में काम करने का मौका दिया। इस फिल्म से उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। राज कपूर ने मंदाकिनी को 'राम तेरी गंगा मैली' के लिए साइन किया और फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। फिल्म में झरने के नीचे बोल्ड सीन देकर मंदाकिनी रातों-रात हर तरफ चर्चा में आ गई थीं। इस सीन के बाद राजकपूर को सेंसर बोर्ड को जवाब तक देना पड़ गया था। इसी फिल्म ने उनकी शोहरत को बुलंदियों पर पहुंचा दिया था। अपने छह साल के करियर में मंदाकिनी ने एक से बढ़कर फिल्में दीं। मंदाकिनी तब विवादों में आईं जब उनको अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ स्पॉट किया गया। खबरें तो ये भी आईं कि दोनों ने शादी कर ली है और इस शादी से उन्हें एक बेटा भी है, लेकिन मंदाकिनी ने हमेशा इस बात को खारिज किया। उन्होंने ये जरूर माना किया कि दाऊद से उनकी जान पहचान थी। मंदाकिनी का करियर 1996 में आई फिल्म 'जोरदार' के साथ खत्म हो गया। कहा ये भी गया था कि दाउद के चलते ही कई फिल्मों में मंदाकिनी को लिया गया था।

बाद में बदनामी हुई तो उनको काम मिलना बंद हो गया। डूबते करियर को सहारा देने के लिए मंदाकिनी ने गाना शुरू किया और अपने दो एल्बम निकाले, लेकिन दोनों नहीं चले। बाद में मंदाकिनी डॉ. काग्युर टी रिनपोचे ठाकुर से 1990 में शादी कर ली। फिलहाल मंदाकिनी अपने पति के साथ मिलकर तिब्बतन हर्बल सेंटर चलाती हैं। दोनों के दो बच्चे बेटा राबिल और बेटी राब्जे इनाया ठाकुर हैं। अब करीब 26 साल बाद मंदाकिनी 26 साल बाद एक म्यूजिक वीडियो 'मां ओ मां' में नजर आने वाली हैं।

सोनम से लेकर आलिया तक, 2022 में इन एक्ट्रेस ने दी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज

बॉलीवुड अभिनेत्री बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर को लेकर आज जानकारी सामने आई कि कपल जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत कर सकते हैं। यह खबर आने के बाद फैंस काफी एक्साइटेड हैं, हालांकि अभी दोनों में से किसी ने भी इस बात को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि कपल भी जल्दी ही फैंस के साथ अपनी ये खुशी साझा करेगा। फिलहाल इस साल कई सेलेब्स माता-पिता बनने जा हैं, तो चलिए जानते हैं, उन अभिनेत्रियों के बारे में जिन्होंने साल 2022 में दी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज।

2022 यानी इसी साल मार्च महीने में सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने अपने आने वाले फर्स्ट चाइल्ड की खुशखबरी सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ साझा की थी। सोनम कपूर ने पति आनंद आहूजा संग बेबी बंप पर हाथ रखे हुए तस्वीरें साझा की थी और अपनी प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज सुनाई थी। इन दिनों अभिनेत्री अपनी प्रेग्नेंसी फेज एंजॉय कर रही हैं और वह लगातार सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं।

अप्रैल 2022 में शादी के बंधन में बंधे न्यूली मैरिड कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने भी पिछले महीने फैंस के साथ ये खुशखबरी साझा की थी कि वह माता-पिता बनने वाले हैं। हालांकि इससे फैंस को खुशी के साथ ही थोड़ी हैरानी भी हुई थी। आलिया भट्ट ने सोनोग्राफी सेशन से एक तस्वीर साझा की थी और बताया कि वह मां बनने वाली हैं।

बात करें बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर की तो दोनों ने साल 2016 में शादी की थी और उनकी शादी को छह साल का समय हो चुका है। अब जबकि खबर सामने आई है कि बिपाशा बसु मां बनने वाली हैं तो फैंस को कपल की ओर से भी इसकी घोषणा का बेसब्री से इंतजार है।

बॉलीवुड की हस्तियों ने तो इस साल गुड न्यूज देकर फैंस को ट्रीट दी ही है, इसके साथ ही टीवी के पॉपुलर अभिनेता धीरज धूपर और पत्नी विन्नी अरोड़ा ने भी कुछ समय पहले सोनोग्राफी रिपोर्ट की तस्वीर शेयर करते हुए जानकारी दी थी कि जल्दी ही वह माता-पिता बनने वाले हैं।

49 साल के हुए सोनू सूद: मॉडलिंग से की शुरुआत, फिल्मों में किया विलेन का रोल लेकिन कोविड महामारी में बन गए जनता के हीरो

एक ऐसा एक्टर जिसने फिल्मों में तो विलेन के रोल किए, लेकिन जब कोविड महामारी आई तो किसी ने इन्हें रियल हीरो कहा तो किसी ने भगवान। जी हां आज बात हो रही है सोनू सूद की। सोनू सूद आज अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रहे हैं। मिडिल क्लास फैमिली से आने वाले सोनू सूद ने इंजिनियरिंग के दौरान ही मॉडलिंग करना शुरू कर दिया था। साधारण चेहरा होने के चलते उन्हें एक्टिंग करियर शुरू करने के लिए भी खासा स्ट्रगल करना पड़ा। सोनू ने बचपन से एक्टर बनने का सपना देखा था। उन्होंने तमिल फिल्म कल्लाझागर से अपने करियर की शुरुआत की थी। फिल्मों में ज्यादातर विलेन का रोल करने वाले सोनू को लोग रियल हीरो तब कहने लगे जब कोविड-19 में उन्होंने परेशान हो रहे लोगों की मदद करना शुरू किया। उन्होंने हजारों लोगों को अपने घर तक पहुंचने में मदद की। कई लोगों का इलाज करवाया, गरीब घर की लड़कियों की शादी करवाने जैसे नेक काम किए। ये सब उन्होंने तब किया जब हर व्यक्ति परेशान था। ऐसे में उन्हें कोविड-19 ने अपनी चपेट में भी लिया पर सोनू ने हार नहीं मानी और ठीक होकर लोगों की मदद करना जारी रखा।

इंजीनियरिंग के दौरान शुरू की मॉडलिंग

सोनू सूद का जन्म 30 जुलाई 1973 को पंजाब के मोगा में हुआ था। उनके पिता कपड़ों का बिजनेस करते थे तो वहीं उनकी मां कॉलेज में प्रोफेसर थीं। उनके पैरेंट्स उन्हें इंजिनियर बनाना चाहते थे इसलिए उन्होंने स्कूली पढ़ाई के बाद इंजिनियरिंग करने के लिए नागपुर का रुख किया। यहां उन्होंने यशवंत राव चौहान कॉलेज में एडमिशन ले लिया। पढ़ाई के दौरान ही सोनू मॉडलिंग में भी इंटरेस्ट लेने लगे और जहां भी मौका मिलता मॉडलिंग के लिए पहुंच जाते।

मां से मांगा डेढ़ साल का समय

सोनू ने इलेक्ट्रानिक्स में बीए करने के बाद मां से एक्टिंग करने के लिए कहा। उनकी मां नहीं मानी तब सोनू ने कहा कि उन्हें डेढ़ साल दो अगर फिर भी मेरा एक्टिंग करियर शुरू नहीं हुआ तो मैं पापा के साथ काम करने लगूंगा। फिर सोनू ने मुंबई का रुख कर लिया। यहां आकर उन्होंने कई फिल्मों के लिए ऑडिशन दिया पर हर तरफ से उन्हें रिजक्शन मिलता था। एक दिन उन्हें एक शूज ब्रांड का ऐड मिल गया। हालांकि इस ऐड में वो लोगों की भीड़ में थे।

तमिल नहीं आती थी तब मिली पहली तमिल फिल्म

सोनू सूद की बॉडी काफी अच्छी थी वो हॉलिवुड स्टार सिल्वेस्टर स्टेलॉन को फॉलो करते थे और उन्हीं को देखकर सोनू ने अपनी बॉडी काफी अच्छी बना ली थी। उनकी बॉडी से इंप्रेस होकर तमिल डायरेक्टर भारती ने उन्हें फिल्म कालिसघर में मौका दिया। ये फिल्म 1999 में रिलीज हुई लेकिन कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। खास बात ये है कि इस फिल्म को साइन करते वक्त सोनू को तमिल नहीं आती थी। फिल्म की शूटिंग उन्होंने डायलॉग रटकर की थी, लेकिन फिल्म पूरी होने तक सोनू ने तमिल सीख ली। इस फिल्म के बाद सोनू ने तमिल के साथ तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया।

फिल्म शहीद-ए-आजम से हुई बॉलीवुड में एंट्री

सोनू सूद की बॉलीवुड में एंट्री साल 2002 में आई फिल्म शहीद-ए-आजम से हुई। इस फिल्म में सोनू ने भगत सिंह का रोल प्ले किया। हालांकि फिल्म हिट नहीं हुई लेकिन सोनू सूद की एक्टिंग को इस फिल्म में खासा पसंद किया गया जिसके बाद उन्हें बॉलीवुड फिल्मों के ऑफर आने लगे। इस फिल्म के बाद सोनू मणि रत्नम की फिल्म युवा में नजर आए। इस फिल्म में उन्होंने अभिषेक बच्चन के भाई का रोल प्ले किया था। इसके बाद उन्होंने फिल्म आशिक बनाया आपने में काम किया। ये फिल्म भी हिट साबित हुई। इसके बाद सोनू टॉलिवुड और बॉलिवुड दोनों में जाना माना नाम बन गए।

जैकी चैन के साथ की फिल्म

सोनू सूद जैकी चैन के साथ फिल्म कुंग फू योगा में भी नजर आए थे। इस फिल्म में जैकी चैन के साथ उनके फाइटिंग सीन को काफी सराहा गया था। वैसे तो वो फिल्म इंडस्ट्री में हीरो बनने का सपना लेकर आए थे लेकिन उन्हें अबतक ऐसा कोई रोल नहीं मिला। उन्हें विलन के तौर पर काफी पसंद किया जाता है, यहां तक कि उन्हें दबंग फिल्म के लिए बेस्ट विलेन का आइफा अवॉर्ड भी दिया गया था। इसके साथ ही वो नंदी अवार्ड, बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर फिल्मफेयर अवार्ड से भी सम्मानित हैं।

कॉलेज लव सोनाली से की शादी

सोनू सूद को उनके ही कॉलेज में पढ़ने वाली सोनाली से प्यार हो गया था। ऐसे में दोनों का रिश्ता लंबा चला फिर 1996 में ये कपल शादी के बंधन में बंध गया। अब कपल के 2 बच्चे हैं। उनकी वाइफ लाइमलाइट से दूर रहना ही पसंद करती हैं इसलिए कम ही कैमरे में कैद होती हैं।

कोरोना महामारी में लोगों की मदद कर बने रियल हीरो

सोनू सूद को एक अलग पहचान कोरोना महामारी के दौरान मिली। दरअसल जिस समय सभी अपने घरों में कैद रहना पसंद कर रहे थे उस समय सोनू सूद ने लोगों की खूब मदद की। उन्होंने मजदूरों के लिए खाने की व्यवस्था की साथ ही जिन लोगों को घर जाना था उनके लिए बसें, ट्रेन और हैलिकॉप्टर तक उपलब्ध करवाए। इस दौरान एक्टर के घर आने वाले हर व्यक्ति की उन्होंने सहायता की। उन्होंने शक्ति सागर सूद नाम से स्कीम लांच की जिसके अंतर्गत 45000 लोगों को रोज खाना खिलाया गया। वहीं महामारी के समय उन्होंने अपना जुहू स्थित होटल भी हेल्थवर्कर्स को रहने के लिए दे दिया था। इन सब के बाद सोनू कई लोगों के मसीहा बन गए। उनका एक फैन हैदराबाद से चलकर मुंबई उनसे मिलने आया था। फैन का कहना था सोनू उनके भगवान हैं। साथ ही कई लोगों ने अपने कारोबार का नाम ही सोनू के नाम पर रख लिया था।

130 करोड़ है नेटवर्थ

सोनू सूद की नेटवर्थ की बात करें तो वो लगभग 130 करोड़ रुपए है। एक्टर के पास मुंबई में 3 फ्लैट हैं। उनके जुहू में एक होटल भी है। साथ ही सोनू मर्सिडीज बेंज एमएस क्लास 350 सीडीआई, ऑडी क्यू 7 और पोर्श पनामा जैसी रॉयल कारों के मालिक हैं। फिल्मों के अलावा उनकी कमाई का जरिया ब्रांड इंडोर्समेंट है। फिलहाल सोनू तमिल फिल्म थमिलारासन और फतेह की शूटिंग में बिजी हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर कांग्रेस प्रवक्ता अधीर रंजन चौधरी के विवादित बयान पर कार्यवाही की मांग

भिलाई। हाल ही में राष्ट्रपति पद का चुनाव हुआ जिसमें आदिवासी जनजाति से संबंध रखने वाली श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल हुई परंतु यह आदिवासी महिला की जीत कांग्रेस के प्रवक्ता अधीर रंजन चौधरी को बर्दाश्त नहीं हुई और उन्होंने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को अपमानित करते हुए अभद्र टिप्पणी कर दी देश के संवैधानिक सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पर ऐसी टिप्पणी करना कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी की घृणित मानसिकता को दर्शाता है राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का यह अपमान देश के आदिवासी समाज एवं महिलाओं का अपमान प्रतीत हो रहा है जब देश के प्रथम नागरिक का अपमान अधीर रंजन चौधरी द्वारा किया जाता है तो यह अपमान केवल राष्ट्रपति जी का अपमान ना होते हुए देश के हर नागरिक का अपमान माना जाएगा धारा 105 (बी), 294 और 505 (2) के तहत अधीर रंजन चौधरी पर अपराध पंजीबद्ध किया जाना चाहिए । ऐसी मानसिकता रखने वाले अधीर रंजन चौधरी पर कड़ी से कड़ी दंडात्मक कार्यवाही कर अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की गई। प्रवीण सोनी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम हुआ जिसमें मुख्य रुप से भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता गोकुलेश तिवारी , हिंदू रक्षा सेवा संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन सिंह, भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के कैंपर मंडल अध्यक्ष रोहित यादव हिंदू रक्षा सेवा संघ के युवा महामंत्री अनिकेत वर्मा व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

कलेक्टर डॉ. भूरे ने खरोरा में नवनिर्मित महाविद्यालय का किया अवलोकन

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे द्वारा आज खरोरा के नवनिर्मित महाविद्यालय का अवलोकन किया गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा इस महाविद्यालय भवन का 2 अगस्त को लोकार्पण सम्भावित है । कलेक्टर डॉ भूरे ने लोकार्पण से पहले महाविद्यालय में सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल, बनाए जाने वाले मंच, हेलीपैड, पार्किंग स्थल सहित महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं का अवलोकन किया।

बिहान कैफेटेरिया संचालन कर आर्थिक रूप से सुदृढ़ हो रही समूह की महिलाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। रूप से सुदृढ़ हो रही समूह की महिलाएंशासन की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक बिहान योजना द्वारा जिले के ग्रामीण अंचलों में महिला सशक्तीकरण के लिए महिलाओं को समूह से जोड़कर पारम्परिक गतिविधियों के अलावा अन्य रोजगार मूलक गतिविधियों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी तारतम्य में विकासखण्ड महासमुन्द के जय मां चण्डी महिला स्व-सहायता समूह, ग्राम खैरा के सदस्यों द्वारा आजीविका गतिविधि के रूप में बिहान कैफेटेरिया की शुरूआत अगस्त 2021 से किया गया है।

समूह की सदस्यों द्वारा बताया गया कि वर्ष जनवरी 2021 में जय मां चण्डी महिला स्व-सहायता समूह ग्राम-खैरा का गठन छ.ग. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत् किया गया। जिसमें समूह सदस्यों द्वारा आपसी बचत के माध्यम से एवं योजना के द्वारा सामुदायिक निवेश कोष की राशि को मिलाकर बिहान कैफेटेरिया का संचालन जिला पंचायत कार्यालय महासमुन्द में चाय, नास्ता, छत्तीसगढ़ी व्यंजन, भोजन आदि बनाने का कार्य प्रारम्भ किया। जिला पंचायत महासमुन्द कार्यालय में प्रतिदिन आने वाले आम-जन, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी को भोज्य सामग्री बिहान कैफेटेरिया के माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो रहा है।

बिहान कैफेटेरिया के आस-पास अन्य शासकीय कार्यालय जैस-जिला एवं सत्र न्यायालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी बिहान कैफेटेरिया में आकर विशेषतः छत्तीसगढ़ी व्यंजन का आनंद लेते है। जिसमें चिला, फरा, ठेठरी, खुर्मी, अईरसा, सलौनी, मूंग/उडदबड़ा, साबुदाना बड़ा इत्यादि शामिल है। इसके अतिरिक्त जिला कार्यालय में आयोजित होने वाले बैठक, कार्यशाला, प्रशिक्षण इत्यादि में चाय, नाश्ता एवं भोजन का आर्डर बिहान कैफेटेरिया के माध्यम से पूर्ति की जाती है।

बिहान कैफेटेरिया के संचालक जय मां चण्डी महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती राधा साहू ने बताया कि लगभग एक वर्ष से संचालित बिहान कैफेटेरिया के माध्यम से समूह द्वारा लगभग पांच लाख रुपए तक का विक्रय कर चुके है।

जिससे सदस्यों को आर्थिक रूप से अपने परिवार में सहयोग करने का अवसर प्राप्त हुआ है। बिहान योजना के माध्यम से एवं जिला पंचायत महासमुन्द कार्यालय द्वारा बिहान कैफेटेरिया के संचालन के लिए भवन, बिजली एवं फर्नीचर की व्यवस्था किया गया है, जिसके लिए समूह के सभी सदस्यों द्वारा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है तथा समूह से जुड़े सदस्यों द्वारा बिहान योजना से जुड़ने के पश्चात् आजीविका के रूप में कैफेटेरिया संचालन का कार्य मिलने से खुशी जाहिर किया हैं।

कलेक्टर ने गौठान योजना को विस्तार देते हुए 4 करोड़ 8 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की

सुराजी योजना आर्थिक मजबूती एवं सामाजिक परिवर्तन लाने का बनी सशक्त माध्यम

- समूह की महिलाओं ने अपने हुनर से कामयाबी की राह में आगे बढ़ाए कदम
- गौठानों में विभिन्न अधोसंरचना के कार्य एवं स्वसहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर स्वावलंबी बनाने के लिए किए जाएंगे कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शासन की सुराजी गांव योजना से गांव की फिज़ा बदल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने एवं सामाजिक परिवर्तन लाने की दिशा में यह योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। समूह की महिलाओं ने अपने हुनर से कामयाबी की राह में आगे कदम बढ़ाए हैं। यह योजना उनमें जागरूकता और आत्मविश्वास लाने का एक सशक्त माध्यम बनी है।

जिले में इस दिशा में प्रभावी कार्य किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री डोमन सिंह ने गौठान योजना को विस्तार देते हुए आज 4 करोड़ 8 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। नरवा, घुरवा, गरूवा, बाड़ी योजना शासन की महत्वपूर्ण योजना है। जिले के सभी ग्राम पंचायतों में शत-प्रतिशत गौठान निर्माण की दिशा में लगातार मिशन मोड में कार्य किये जा रहे हैं। गांव के अंतिम व्यक्ति तक शासन की सुराजी गांव योजना एवं गोधन न्याय योजना का लाभ पहुंच सके इसके लिए तत्परतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।

गौठान रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित हो रहे हैं और वहां विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियां संचालित हो रही है। वर्मी कम्पोस्ट निर्माण, सामुदायिक सब्जी बाड़ी, मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन, फूलों की खेती एवं लघु उद्यमों को बढ़ावा मिला है। कलेक्टर श्री सिंह ने सी-मार्ट के माध्यम से समूह की महिलाओं द्वारा स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए निर्देश दिए हैं। सी-मार्ट से शिक्षा, आदिवासी, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य विभाग द्वारा सी-मार्ट से पापड़, बड़ी, आचार एवं अन्य गुणवत्तापूर्ण सामग्री की खरीदी की जा रही है।

कलेक्टर श्री डोमन सिंह ने कुल 442 कार्यों के लिए 4 करोड़ 8 लाख 54 हजार रूपए की स्वीकृति दी है। उन्होंने जिले के विभिन्न गौठानों 32 कार्यों के लिए 2 करोड़ 30 लाख 90 हजार रूपए एवं वन अधिकार पत्र धारकों को 410 कार्यों के लिए 1 करोड़ 77 लाख 64 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत राशि से गौठानों में विभिन्न अधोसंरचना के कार्य एवं स्वसहायता समूह की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर स्वावलंबी बनाने के लिए कार्य किए जाएंगे। जिसके अंतर्गत छुरिया विकासखंड के 3 गौठानों को 7 कार्यों के लिए 49 लाख 25 हजार रूपए, छुईखदान विकासखंड के 2 गौठनों को 6 कार्यों के लिए 43 लाख 58 हजार रूपए, डोंगरगढ़ विकासखंड के 2 गौठानों को 5 कार्यों के लिए 36 लाख 81 हजार रूपए, डोंगरगांव विकासखंड के 1 गौठान को 1 कार्यों के लिए 6 लाख 19 हजार रूपए, खैरागढ़ के 3 गौठानों को 6 कार्यों के लिए 46 लाख 28 हजार रूपए एवं राजनांदगांव विकासखंड के 3 गौठानों को 8 कार्यों के लिए 48 लाख 8 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह छुईखदान विकासखंड अंतर्गत वन अधिकार पत्र धारकों को 318 कार्यों के लिए 1 करोड़ 6 लाख 9 हजार रूपए एवं मानपुर विकासखंड के अंतर्गत वन अधिकार पत्र धारकों को 92 कार्यों के लिए 71 लाख 55 हजार रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है।

भाजपा छत्तीसगढ़ प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी से दया ने की मुलाकात भेंट किया नंदी की प्रतिमा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ प्रभारी व राष्ट्रीय नेत्री डी. पुरंदेश्वरी से भाजपा पार्षद दया सिंह ने मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार भेंट थी, जिसमें दया ने संगठन से लेकर अन्य कार्यों के लिए आशीर्वाद और मार्गदर्शन मांगा। दया सिंह ने बताया कि, डी. पुरंदेश्वरीजी से कई विषयों पर चर्चा के साथ-साथ जिले में चल रहे जनहित के कार्यों के बारे में बताया। संगठन से मिलने वाले एक-एक दायित्वों को किस तरह से निर्वहन किया जा रहा है। उस पर भी चर्चा हुई। अधिकांश विषयों पर प्रदेश प्रभारी की ओर से दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन दिए गए हैं। जिस पर आगामी दिनों में कार्य किया जाएगा। सावन में होने वाले महारूद्राभिषेक और महाशविरात्रि पर निकलने वाली भोले बाबा की बारात के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान पवित्र सावन मास में प्रदेश प्रभारी को भोले बाबा के प्रिय नंदी की छोटी प्रतिमा भेंट की गई।

वन मंत्री अकबर ने कानन पेण्डारी जू में बाघ के चार नन्हें शावकों का किया नामकरण

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर ने आज विश्व बाघ दिवस के अवसर पर कानन पेण्डारी जूलॉजिकल गार्डन बिलासपुर में बाघ के चार नन्हें शावकों का नामकरण किया। गौरतलब है कि कानन पेण्डारी जू में 17 अप्रैल 2022 की रात्रि को मादा बाघिन-रंभा ने 4 शावकों को जन्म दिया था। इन चार शावकों में एक नर एवं तीन मादा शामिल हैं। इनमें नर शावक का नाम मितान और तीन मादा शावकों का आनंदी, रश्मि तथा दिशा नाम रखा गया। इनके नामकरण में आम लोगों से भी सुझाव प्राप्त किए गए थे और उनसे प्राप्त राय-मशविरा का भी

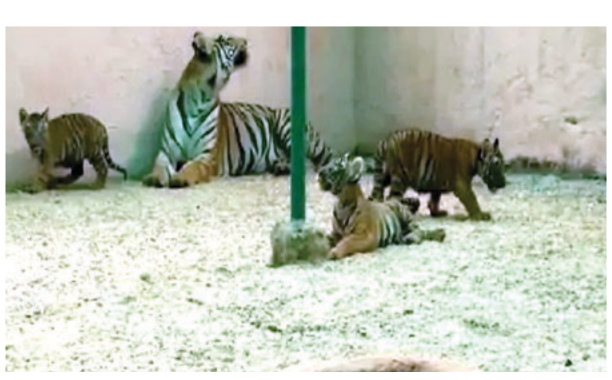

नामकरण में विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने इस मौके पर जू के अधिकारियों को शावकों सहित बाघों के बेहतर से बेहतर देख-भाल तथा हर आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए कहा।

वन मंत्री अकबर ने राजधानी के शंकर नगर स्थित अपने निवास कार्यालय में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि आज विश्व बाघ दिवस है। इस मौके पर वन विभाग द्वारा बाघों के नामकरण के लिए कार्यक्रम का आयोजन एक सुखद संयोग और खुशी का पल है। राज्य में बाघों की संख्या में वृद्धि के लिए अनेक कार्य किए जा रहे है। इसके तहत रहवास क्षेत्र का विकास अंतर्गत चारागाह विकास, जल स्त्रोतों का विकास, संरक्षण तथा सुरक्षा इत्यादि के कार्य कराए जा रहे हैं, जिससे राज्य में शाकाहारी वन्य प्राणियों के साथ-साथ बाघों की संख्या में भी वृद्धि हो सके।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख राकेश चतुर्वेदी, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) आशीष कुमार भट्ट, मुख्य वन संरक्षक रायपुर जे.आर. नायक, वनमण्डलाधिकारी रायपुर विश्वेष झा सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश की तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यशाला का जैनम मानस भवन रायपुर में शुक्रवार को प्रातः 11 बजे शुभारंभ हुआ। आवासीय प्रशिक्षण का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, संगठन महामंत्री पवन साय सहित भाजपा नेताओं ने किया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने अपने उद्बोधन में मार्गदर्शन दिया। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी श्रीमती डी. पुरंदेश्वरी ने मोदी सरकार की कृषि क्षेत्र में उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्र सरकार कृषि क्षेत्र के विकास के लिए राज्य सरकारों के साथ हमेशा खड़ी रही है। आज भी देश के लगभग 60 प्रतिशत लोग कृषि से अपना जीवन यापन करते हैं। हमें कृषि क्षेत्र के उत्थान में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी करनी है।

खास-खबर

पूर्व एबीईओ की मौत के बाद पत्नी ठगी के आरोप में गिरफ्तार

जांजगीर (ए)। नवागढ़ के पूर्व एबीईओ राजीव नयन शर्मा की 27 दिन पहले मौत हो गई है। उनकी मौत के 27 दिनों बाद उनके इंस्टीट्यूट में कोचिंग कर रही युवतियों ने उनकी पत्नी के खिलाफ नौकरी दिलाने के नाम पर पैसा लेने की रिपोर्ट लिखाई थी। पुलिस ने युवतियों की रिपोर्ट पर पूर्व एबीईओ की पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है।

टीआई उमेश साहू के अनुसार जांजगीर की सीमा वस्त्रकार व राधिका कश्यप ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वे साल 2017-18 से 2020 तक जांजगीर के विजन इंस्टीट्यूट में पीएससी की कोचिंग कर रहे थे। वर्ष 2019 में सहायक शिक्षक विज्ञान एवं शासकीय शिक्षक प्रयोगशाला भर्ती के लिए वैकेंसी निकली थी। जिसमें सीमा वस्त्रकार, राधिका कश्यप और रंजिता कश्यप ने ऑनलाइन फॉर्म जमा किया था। रंजिता कश्यप कोचिंग नहीं जाती थी तब कोचिंग की संचालक एवं तत्कालीन एबीईओ की पत्नी करुणा शर्मा ने उन्हें सहायक शिक्षक विज्ञान एवं शिक्षक प्रयोगशाला के पद पर नौकरी लगाने का लालच दिया और सीमा वस्त्रकार से 5 लाख 50 हजार, राधिका और रंजिता कश्यप से 4-4 लाख रुपए मांग की थी। साथ ही नौकरी नहीं लगने पर उक्त रकम को ब्याज सहित वापस करने का भरोसा भी दिलाया था।

तीनों ने उन्हें 13 लाख 50 हजार रुपए दिए, लेकिन कई साल गुजर जाने के बाद बाद भी नौकरी नहीं लगी, तब वे करूणा शर्मा से रुपए लौटाने की मांग करने लगे। 20 जुलाई को तीनों फिर से रकम मांगने बिलासपुर गए, तब करूणा शर्मा ने अपनी आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए रुपए लौटाने से इंकार कर दिया।

संदेहास्पद तरीके से हुई थी पूर्व एबीईओ की मौत

जिला मुख्यालय में विजन कोचिंग सेंटर की नींव रखने वाले राजीव नयन शर्मा ने कम समय में ही अपनी पहचान बनाई थी। उनके पढ़ाए सैकड़ों विद्यार्थी डिप्टी कलेक्टर, असिस्टेंट प्रोफेसर, सब इंस्पेक्टर, एडीईओ, खाद्य निरीक्षक व अन्य पद पर चयनित हुए हैं। ऐसी भी चर्चा है कि उन्होंने नौकरी लगाने के नाम पर कई लोगों से लाखों रुपए ले लिए थे और रायपुर में किसी व्यक्ति को दिए थे।

पुरानी रंजिश के चलते युवक पर चाकू से हमला, दो गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में लगातार चाकूबाजी और कैंची की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताजा मामला राजधानी के भनपुरी इलाके का है, जहां पुरानी रंजिश के चलते आरोपितों ने कैंची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हमले में युवक घायल हो गया। घायल युवक को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

जानकारी के अनुसार खमतराई थाना क्षेत्र में एक युवक पर कैंची से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित को इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां स्थिति सामान्य बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपित आनंद साहू और दिनेश निर्मलकर को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामेश्वर नगर खमतराई निवासी अनीश तिवारी का आरोपितों से पैसे के लेने-देन पर विवाद हो गया। आरोपित उसके परिचित हैं। विवाद धीरे-धीरे इतना आगे बढ़ गया कि आरोपितों ने कैंची से हमला कर दिया। अनीश के जांघ और पैर में चोट आई है। पुलिस ने सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर आरोपितों को धर दबोचा। बीते दिनों राजधानी में चाकूबाजी की एक घटना में एक मूकबधिर युवक की मौत हो गई थी।

बाइक चोरी के तीन आरोपी गिरफ्तार, 14 वाहन बरामद

रायपुर (ए)। शहर में लगातार बाइक चोरी की घटनाएं हो रही हैं। एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट की विशेष टीम आरोपितों को पकड़ने में जुटी थी। कई जगहों से सीसीटीवी फुटेज पुलिस के हाथ लगे। इसके बाद तीन आरोपितों को अलग-अलग थाना क्षेत्रों से बाइक चोरी करने वालों को पकड़ा गया। इनके कब्जे से 14 गाड़ियां बरामद की गई हैं। आरोपित बेहद ही शातिर तरीके से चोरी करते थे। मास्टर चाबी का उपयोग कर गाड़ी पार कर देते थे। गाड़ी की नंबर प्लेट बदलकर पार्किंग में छिपा देते थे। कुछ समय बीतने के बाद वे बाइक को निकालते थे। पुलिस ने जसपाल सिंह निवासी लखीमपुर खीरी, थाना परसपुर उत्तर प्रदेश, प्रभु राम वर्मा निवासी डीडी नगर रायपुर और लवी उर्फ सोमेश्वर वाकड़े को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

एग्जाम के बाद घूमने गए 9 छात्र डैम में डूबे

5 को सुरक्षित निकाला, 4 की मौत

कोंडागांव (ए)। कोंडागांव जिले में स्वामी आत्मानंद स्कूल के 9 छात्र डैम में डूब गए, जिनमें 4 की मौत हो गई है। 5 छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह सभी बच्चे स्कूल में एग्जाम देने के बाद डैम घूमने के लिए आए थे। सभी नहाने के लिए पानी में उतरे और एकाएक गहरे पानी में चले गए। फिलहाल, पानी में डूबे चार में से 4 स्टूडेंट के शव को बरामद कर लिया गया है, बाकी बच्चों को अस्पताल लेकर गए हैं। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कोंड़ागांव से महज 5 से 7 किलोमीटर की दूरी पर बफ्ना गांव है। इस गांव में एक छोटा सा डैम है। अमूमन लोग डैम की सैर करने के लिए जाते हैं। शुक्रवार को कोंडागांव के स्वामी आत्मानंद स्कूल के 9 स्टूडेंट्स, भी एग्जाम देने के बाद सीधे डैम के किनारे पहुंच गए। कुछ देर किनारे में बैठे रहे। फिर पानी में नहाने के लिए उतरे। डैम की गहराई का अंदाजा न होने की वजह से बच्चे आगे बढ़ते गए और गहरे पानी में चले गए। जिससे 4 छात्र पानी में डूब गए। उन्हें बचाने के लिए अन्य 5 छात्र भी आगे बढ़े। वे भी डूबने लगे थे। एक दूसरे का हाथ पकड़कर पानी में थे। वहां मौजूद ग्रामीणों ने बच्चों को पानी में डूबते देखा था। जिसके बाद फौरन उन्होंने 5 बच्चों को बाहर निकाल लिया। इस हादसे की सूचना कोंडागांव सिटी कोतवाली, स्कूल प्रबंधन और जिला प्रशासन की टीम को दी गई। मौके पर पहुंचे जवानों ने ग्रामीणों की मदद से पानी में डूबे 4 छात्रों का शव बरामद कर लिया है। अब तक जिन छात्रों के शव मिले हैं, वह धमतरी, कोंडागांव और केशकाल के रहने वाले थे।

ये लोग गए थे

स्वामी आत्मानंद स्कूल में कक्षा 12वीं में पढ़ने वाले 9 दोस्त रोशन सोनी, शेख अजहान खान, आशीष गुप्ता, भवदीप तिवारी, सादाब अहमद, चंद्रकांत, मोहित कश्यप, लखेंद्र मरकाम, तुसार नेताम ये सभी डैम गए थे। इसमें नहाने गए मोहित कश्यप, चंद्रकांत, लखेंद्र मरकाम और तुसार मरकाम जैसे ही पानी में डूबे, उन्हें बचाने के चलते बाकी भी डूबते चले गए। इसमें मोहित कश्यप और चंद्रकांत, लखेंद्र, तुसार, शव निकाला गया।

दोस्त के खिलाफ गवाही दी तो नाबालिग को मार डाला

आरोपी बोला-मुझे बदला लेना था इसलिए हत्या की, गिरफ्तार

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में एक युवक ने अपने ही नाबालिग दोस्ती की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। मरने वाले लड़के का कसूर ये था कि उसने आरोपी के दोस्त के खिलाफ पुलिस के पास गवाही दी थी और उसके दोस्त को जेल जाना पड़ा था। इसका बदला लेने के लिए आरोपी युवक मौके की फिराक में था। हरेली पर्व की रात उसने मौका पाकर चाकू से हमला कर उसे मार डाला। मामला सरकंडा थाना क्षेत्र का है।

सरकंडा क्षेत्र के चांटीडीह निवासी राकेश यादव (16) दसवीं कक्षा में पढ़ रहा था। इसके बाद वह स्कूल जाना बंद कर दिया था। उसके पिता अजय यादव सब्जी व्यापारी हैं। राकेश अपने पापा के साथ काम करता था। वह दोस्तों के चक्कर में नशा करने लगा था। गुरुवार की रात वह अमित ध्रुव सहित अन्य दोस्तों के साथ मोहल्ले में घूमने निकला था। इस दौरान अमित नशे में था। पुरानी रंजिश के चलते अमित से उसका विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते झगड़ा बढ़ गया और अमित ने चाकू निकालकर राकेश पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर अमित भाग निकला। चाकू के हमले से खून से लथपथ घायल राकेश जमीन में गिर गया और बेहोश हो गया। उसके दोस्तों ने इस घटना की जानकारी राकेश के पिता को दी। फिर आनन-फानन में उसे इलाज के लिए सिम्स लेकर गए, लेकिन, सिम्स पहुंचते ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने देर रात आरोपी को किया गिरफ्तार

इधर, हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जब तक पुलिस वहां पहुंची, घायल राकेश को सिम्स भेज दिया गया था। पुलिस ने हमलावर अमित की जानकारी जुटाई और उसकी तलाश में जुट गई। सीएसपी स्नेहिल साहू ने बताया कि आरोपी अमित को देर रात पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

आरोपी युवक जब पुलिस की गिरफ्त में आया, तब अपने आप को नाबालिग बता रहा था। शुक्रवार को पुलिस ने उसकी मार्कशीट मंगाकर जांच की, तब पता चला कि उसका उम्र 18 साल से अधिक है। पुलिस ने आरोपी अमित को गिरफ्तार कर लिया है।

पर्यटन स्थल पर लगाई मौत की छलांग

व्यू पॉइंट पर बैठकर नजारा देख रहा था युवक, अचानक वहां से कूद गया

कोंडागांव (ए)। कोंडागांव जिले में 28 साल के एक युवक ने जिले के एक पर्यटन स्थल पर सुसाइड कर लिया है। बताया जा रहा है कि युवक पहले व्यू पॉइंट में बैठ खूबसूरत नजारे को देखता रहा। फिर अचानक दौड़कर नीचे छलांग लगा दी। सुसाइड के बाद पुलिस ने खाई से युवक के शव को बरामद कर लिया है। मामला जिले के विश्रामपुरी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक का नाम बबलू नेताम है, जो जिले के खल्लारी ग्राम पंचायत का रहने वाला है। वह जिले के पर्यटन स्थल माँझीनगढ़ पहुंचा, यहां काफी देर तक बैठा रहा। यहां पहुंचे पर्यटकों ने बताया कि उसे देख ऐसा लग रहा था कि वो किसी बात को लेकर काफी परेशान था। कुछ देर बाद उसने नीचे खाई में छलांग लगा कर आत्महत्या कर ली। जिसके बाद पर्यटकों ने इसकी जानकारी फौरन विश्रामपुरी थाना के जवानों को दी। मौके पर पहुंचे जवानों ने खाई के नीचे उतर शव को बरामद कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भी भिजवाया गया है। युवक ने सुसाइड क्यों किया है, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही ही।

युवती ने नाबालिग लड़के से किया रेप

बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई एमपी, वहां जबरदस्ती बनाया शारीरिक संबंध, गिरफ्तार

जशपुर (ए)। जशपुर जिले से अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग लड़के से युवती ने रेप किया है। बताया गया है वह उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ मध्यप्रदेश ले गई थी। यहां युवती ने लड़के से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद किसी तरह से लड़का वहां से भागकर वापस अपने घर पहुंचा, तब जाकर पूरा मामला खुला है। पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ रेप का केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है।

इस मामले में 17 साल के लड़के के पिता ने 27 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि उसका बेटा 8 नवंबर 2021 से लापता हो गया था। उसके बाद उसकी काफी तलाश की गई। मगर उसका पता नहीं चल सका था। वो अब वापस लौटा है। पीड़ित के पिता ने बताया कि उसके बेटे को 22 साल की एक युवती अपने साथ बहला-फुसलाकर ले गई थी।

शिकायत में बताया गया कि युवती लड़के को अपने साथ मध्यप्रदेश के किसी ईंट-भट्ठे में ले गई थी। वहां वो काम करती थी। उसने लड़के को भी साथ रखा था। वहीं उस युवती ने लड़के से जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया था। उसका बेटा किसी तरह से वहां से भागकर वापस घर पहुंचा है। पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ अपहरण, रेप और पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। युवती ने भी अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

नाले में खून से लथपथ मिली युवक की लाश

पुल के नीचे गिरी थी बाइक, शरीर में मिले चोट के निशान, हत्या की आशंका

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में सागौन प्लांटेशन के पास नाले में युवक की खून से लथपथ लाश मिली है। उसकी बाइक नाले में पुल के नीचे गिरी पड़ी थी। युवक के शरीर में चोटों के निशान देखकर उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है।

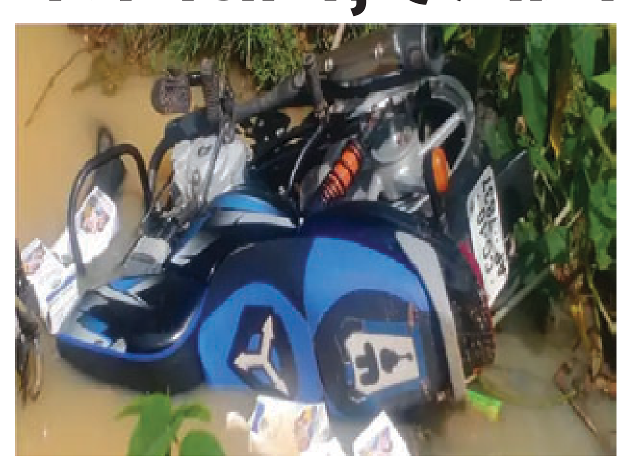

शुक्रवार दोपहर ग्रामीणों ने कोटा क्षेत्र के घोड़ामार गांव के सागौन प्लांटेशन के पास नाले में युवक के शव को पड़े देखा। शव पानी में भीगकर अकड़ गया था। ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी ग्राम पंचायत बीजा के सरपंच रामकुमार टंडन को दी। उसने इसकी सूचना तखतपुर पुलिस को दी। इस बीच ग्रामीणों ने मृतक युवक की पहचान बेलपान निवासी शैलेष श्रीवास (32) के रूप में की। वह बेलपान में अपने भाई के साथ सैलून चलाता था।

इस घटना की जानकारी मिलते ही तखतपुर पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल कोटा थाना क्षेत्र में है। लिहाजा, कोटा पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर शव का परीक्षण किया, तब पता चला कि युवक के सिर सहित अन्य जगहों पर चोट के निशान मिले हैं। घटनास्थल के आसपास खून भी फैले हुए थे। ऐसे में उसकी हत्या करने की आशंका जताई जा रही है।

रात 9 बजे बंद मिला मोबाइल

पुलिस की जांच व पूछताछ में पता चला है कि युवक की पत्नी व दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। वह अपनी बेटी को छोड़कर बाइक में सवार होकर घर से निकला था। रात करीब 9 बजे उसकी पत्नी ने उसे फोन किया था, तब उसका मोबाइल बंद मिला।

बाइक में पेट्रोल भराते नजर आया युवक

पुलिस ने बेलपान और आसपास युवक के बारे में जानकारी जुटाई। साथ ही जिस रास्ते से युवक गुजरा है, उस रास्ते के दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाला गया। इस दौरान देर शाम करीब 7 बजे युवक एक किराना दुकान में अपनी बाइक में पेट्रोल भराते नजर आ रहा है। कैमरे में वह अकेला दिख रहा है और कोई संदेही नजर नहीं आ रहा है।

कोटा टीआई दिनेश चंद्रा ने बताया कि युवक की बाइक घटनास्थल से महज 50 मीटर दूर पुल के नीचे नाले में मिली है। ऐसे में पुलिस को यह भी आशंका है कि युवक अपनी बाइक से पुल के नीचे गिर गया होगा। इसके बाद घायल स्थिति में वह सागौन प्लांट तक पहुंच गया होगा और फिर उसकी मौत हो गई होगी। बहरहाल, पुलिस सभी एंगल पर इस मामले की जांच कर रही है। टीआई चंद्रा ने कहा कि शनिवार को युवक के शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। डॉक्टर की रिपोर्ट के बाद ही युवक की मौत के स्पष्ट कारणों का पता चल सकेगा।

संदेहियों से पूछताछ कर रही पुलिस

पुलिस की जांच व पूछताछ में यह भी पता चला है कि युवक शैलेष का गांव के लोगों से आए दिन विवाद होता था। इसके साथ ही वह गांव में दबंगई भी करता था। गुरुवार की शाम को भी गांव के युवकों से उसके विवाद होने की जानकारी मिली है। लिहाजा, पुलिस संदेहियों से पूछताछ कर रही है।

summer offer
on gogles flat 20% off
फ्री होम डिलेवरी
(निःशुल्क कम्प्यूटराईज नेत्र जांच)
BROTERS OPTICALS
You see We care
Pratap Singh, Mo. - 9589876064, 9589666143
Infront of Shubham Medical, Krishna Talkies Road, Risali, Bhilai, Email : brothersopticals1@gmail.com

Authorised For :
SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जनचौपाल में पुलिस सुनेंगी फरियादियों की - एसपी डॉ. पल्लव

भिलाई। पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक पल्लव ने आज दुर्ग जिले के अपने विभाग के राजपत्रित विभाग के बैठक लेकर कानून व्यवस्था की समीक्षा की। श्री पल्लव ने समस्त राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि थानों में दर्ज अपराध के पेंडिग चलान जल्द से जल्द माननीय न्यायालय में पेश किए जाये। साईबर क्राईम व ट्रेफिक के प्रति जागरूकता अभियान चलाए जाये। स्कूल कॉलेजों में महिला संबंधित अपराधों के प्रति भी महिलाओं को जागरूक किया जाये। ट्रेफिक व्यवस्था दुर्ग भिलाई की और बेहतर हो उसके लिए भी डीएसपी गुरजीत सिंह को निर्देश दिए। गांव और शहरों में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों की अपराध संबंधित समस्याओं को सुनकर उसका निराकरण भी किया जायेगा। बैठक में प्रमुख रूप से एडिशन एसपी संजय ध्रुव, एडिशन एसपी अनंत साहू, ट्रेफिक डीएसपी गुनजीत सिंह , सीएसपी कौशलेन्द्र पटेल, सीएसपी नसर सिद्धिकी, पाटन एसडीओपी देवांश सिंह राठौर , डीएसपी शिल्पा साहू भी मौजूद थी।

बीएसपी तोड़ूदस्ता प्रभारी यादव मिले एएसपी ध्रुव से, सिविक सेंटर के अतिक्रमण हटाने मांगा पुलिस बल

भिलाई। बीएसपी नगर सेवा विभाग के तोड़ूदस्ता प्रभारी केके यादव ने आज सेक्टर 6 स्थित कंट्रोल रूम पहुंचकर एएसपी शहर संजय ध्रुव से अतिक्रमण हटाने के संबंध में पुलिस बल की मांग की। एएसपी शहर श्री ध्रुव्र ने बीएसपी तोड़ूदस्ता के अधिकारियों को कहा कि पुलिस बल की उपलब्ध तभी कराईगी जब बीएसपी प्रबंधन पुलिस और जिला प्रशासन को विश्वास में लेगा। जिस जिस स्थान पर अतिक्रमण की कार्यवाही होने जा रही है वहां किसी भी प्रकार का लॉ इन आर्डर नही बिगड़ेगा। सबसे पहले कंट्रोल रूप में बीएसपी प्रबंधन व पुलिस के बीच एक समीक्षा बैठक होगी। तत्पश्चात ही बल की उपलब्धता पुलिस करा पायेगी। ताकि शहर में अमनचैन बना रहे। और कानून व्यवस्था ना बिगड़े का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इसको बीएसपी अधिकारियों ने भी स्वीकारा तोड़ूदस्ता प्रभारी श्री यादव ने सिविक सेंटर स्थित वेगेइंडिया रेस्टोरेंट के बाजू में स्थित अतिक्रमण करके बैठे व्यपारियों को खदेलने के लिए पुलिस बल की मांग एडिशन एसपी श्री ध्रुव से की है। श्री ध्रुव ने तीन चार दिन में बल उपलब्धता की बात कही है।

सिद्धेश्वर शिव हनुमान शनिदेव मंदिर में कांवर यात्रा जलाभिषेक एवं महाआरती 1 को

दुर्ग। श्री सिद्धेश्वर शिव, हनुमान, शनिदेव मंदिर, रामनगर उरला दुर्ग द्वारा कांवर यात्रा जलाभिषेक एवं महाआरती का आयोजन 1 अगस्त को मंदिर परिषर में आयोजित किया गया हैं। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी जलाभिषेक एवं महाआरती का आयोजन 1 अगस्त सोमवार को सुबह 7.30 बजे कांवर यात्रा, दोपहर 12.30 से जलाभिषेक, दोपहर 2.30 से महाभंडारा एवं दोपहर 3.30 बजे से रामायण एवं जगराता का कार्यक्रम संपन्न होगा।

कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा ने आयुक्त के साथ ठगड़ा बांध के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

बेहद खास होगा ठगड़ा बांध का आइलैंड, पहुंचने के लिए बनेगा पारदर्शी एप्रोच ब्रिज

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र मीणा आज ठगड़ा बांध के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण करने मौके पर पहुंचे। आयुक्त प्रकाश सर्वे ने उन्हें निर्माणाधीन प्रोजेक्ट की प्रगति के संबंध में जानकारी दी। आयुक्त श्री सर्वे ने बताया कि एजेंसी को युद्ध स्तर पर कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है तथा इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर श्री मीणा ने प्रोजेक्ट का मुआयना किया उन्होंने कहा कि ठगड़ा बांध का लोकेशन बहुत शानदार है। इसके बगल में जैव विविधता पार्क है।

सुबह और शाम का समय गुजारने के लिए यह बेहद आदर्श स्थल साबित होगा। यहां पहुंचने वाले लोगों के लिए यह सुकून का अनुभव हो और वह शाम बिताने बार-बार यहां आना चाहे इसके लिए लैंडस्कैपिंग बेहद खास रखें। कलेक्टर श्री मीणा ने कहा कि चूंकि किसी भी सरोवर का सबसे खास हिस्सा उसका आइलैंड होता है अतः इसके लैंडस्कैपिंग पर विशेष रूप से ध्यान दें।

इसके निर्माण में अन्य उद्यानों में जिस तरह से खूबसूरत प्रयोग किए गए हैं उनका भी ध्यान रखें। लाइटिंग की व्यवस्था शानदार हो ताकि शाम के वक्त अपनी ग्रीनरी और लाइटिंग तथा शानदार लैंडस्कैपिंग से पूरा व्यू निखर जाए। आयुक्त श्री सर्वे ने बताया कि लैंडस्कैपिंग के लिए विशेष रुप से ध्यान दिया जा रहा है साथ ही ठगड़ा बांध के आईलैंड तक पहुंचने का अनुभव भी बहुत सुंदर होगा, इसके लिए जो ब्रिज बनाया जा रहा है वो एप्रोच ब्रिज 8 फीट चौड़ा है। इस एप्रोच ब्रिज का तल पारदर्शी होगा। पारदर्शी होने के चलते एप्रोच ब्रिज और आईलैंड की खूबसूरती और निखर जाएगी। ब्रिज से पैदल गुजरने वाले लोगों को नीचे का सरोवर देख कर बहुत खुशी होगी। कलेक्टर ने कहा कि शाम के वक्त अपना समय गुजारने के साथ ही लोग चौपाटी आदि का आनंद भी लेना चाहते हैं। इसकी भी मुकम्मल व्यवस्था यहां हो। फूड जोन में विविध तरह के ऑप्शन उपलब्ध हो, इसका ध्यान रखा जाए और यहां बैठने की विशेष रूप से प्लानिंग की जाए ताकि देर तक लोग यहां समय गुजार सकें। कलेक्टर ने कहा कि यह बेहद सुंदर प्रोजेक्ट है और इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद दुर्ग शहर से सौंदर्यीकरण के क्षेत्र में और नागरिक अधोसंरचना के क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल करेगा। इसके लिए जरूरी है कि निर्माण कार्य तेजी से पूरे हों। गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाए और सबसे खास बात यह है कि लैंडस्कैपिंग में जो नए प्रयोग हो रहे हैं उन्हें भी इसमें शामिल किया जाए। कलेक्टर ने पार्किंग स्पेस आदि की भी जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि 16 करोड़ 21 लाख रुपये के इस प्रोजेक्ट से मनोरंजन के लिए दुर्ग के नागरिकों को बेहतरीन सुविधा मिल पाएगी। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता प्रमोद दुबे, सहायक अभियंता जितेंद्र समैया, सहायक अभियंता आरके पालिया, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, मोहित मरकाम के अलावा एजेंसी के लोग मौजूद थे।

सफाई व्यवस्था देखने साइकिल पर निकले आयुक्त

सुंदर व स्वच्छ शहर की परिकल्पना में और बेहतर कार्य करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था देखने निगम आयुक्त अल सुबह शहर के वार्डों में पहुंचे। सफाई कामगारों, सुपरवाइजर और अधिकारियों की मैदानी उपस्थिति देखने आयुक्त ने 8 किलोमीटर से भी अधिक साइकलिंग की। इस दौरान सफाई व्यवस्था को लेकर आवश्यक हिदायत भी दी। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे साइकलिंग करते हुए घर से सीधे ग्रीन चौक, स्टेशन रोड, इंद्रिरा मार्केट, पटेल चौक, रायपुर नाका सहित अन्य क्षेत्रों में पहुंचे और सफाई कार्य का अवलोकन किया। लगभग दो घंटे से अधिक समय तक आयुक्त ने शहर रायपुर नाका होते हुए स्टेशन रोड, पोलसाय पारा सहित बस्तियों का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सुरेश भारती, राजू सिंह, मनोहर शिंदे उपस्थित थे। सायकिल निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य देखा उन्होंने स्वस्च्छ्ता दीदियों को लोगो के घरों से अलग अलग कचरा एकत्रित करने को कहा। उन्होंने नागरिकों से समय पर कचरा कलेक्शन वाहन न पहुंचने की शिकायतों पर मातहतों से जानकारी ली। इस दौरान आयुक्त प्रकाश सर्वे ने गीला व सूखा कचरा को अलग-अलग रखने को कहा। नागरिको एवं दुकानदारों के द्वारा दुकान बाहर सड़क व नालीयो पर कचरा फेंकने पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। प्रमुख चौक, चौराहों एवं ठेला तथा गुमटी लगाने वाले लोगों को कचरा व्यवस्थित तरीके से डस्टबिन में रखने और स्वच्छता कर्मचारी को देने की हिदायत दी जा रही है।सभी को स्वच्छता अभियान से जुड़ने की अपील की जा रही है तथा दुकान के सामने एवं परिसर को स्वच्छ रखने कहा जा रहा है। आयुक्त दुर्ग शहर की परिकल्पना के तहत सफाई व्यवस्था में और बेहतर कार्य करने के निर्देश अधिकारी को दिए हैं।

धमधा में हुआ बिजली महोत्सव का आयोजन

बिजली सिर्फ उजाला नहीं देती, आराम दायक जीवन भी बिजली की देन है

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत ''उज्ज्वल भारत-उज्ज्वल भविष्य, पॉवर /2047 - बिजली महोत्सव'' कार्यक्रम का आयोजन दुर्ग जिले में धमधा स्थित अंबेडकर भवन में आज दिनांक 29 जुलाई 2022 को किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पंचायत धमधा श्रीमती सुनीता गुप्ता एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बिजली के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि बिजली सिर्फ उजाला नहीं देती, बल्कि जीवन को भी आरामदायक बिजली ने ही बनाया है। बिजली की वजह से ही घर हो या बाहर सभी जगह कार्यों में सहूलियत हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश आज तेजी से विकास की दिशा में बढ़ रहा है तो इसमें ऊर्जा क्षेत्र में हुए बेहतर कार्यों का बड़ा योगदान है। देष की आजादी के 75 वर्शों में देष बिजली का निर्यात विदेषों में कर पा रहा है, यह सौभाग्य की बात है। प्रदेश आज देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी अपनी बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। प्रदेष में बिजली के क्षेत्र में इतना विकास हुआ है कि पहले बिजली आती नहीं थी अब जाती नहीं है। दुर्गम से दुर्गम परिस्थितियों और दुर्गम से दुर्गम क्षेत्रों में भी आज बिजली की पहुंच है। उन्होंने कहा कि अब प्रदेष की उपभोक्ताओं की विद्युत समस्याओं का निराकरण भी मोर बिजली एप के माध्यम से घर बैठे हो रहा है।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय एवं राज्य शासन के समन्वय से 25 से 31 जुलाई 2022 तक आयोजित इस बिजली महोत्सव के दौरान सभी जिलों में दो कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी सहित केंद्रीय विद्युत उपक्रम आरईसी लिमिटेड, एनएसपीसीएल सहित अन्य उपक्रम संयुक्त रूप से शामिल हो रहे हैं। इसमें जिला प्रशासन की भी भागीदारी है।

बिजली महोत्सव में बताया गया कि देश में बिजली का उत्पादन 2 लाख 48 हजार मेगावाट से बढ़कर चार लाख मेगावाट हो चुकी है। आज हम पड़ोसी देषों को बिजली निर्यात करते हैं। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली मिले इसके लिए विद्युत विकास के कार्यों में तेजी आई है। अकेले दुर्ग जिले में 05 लाख से अधिक विद्युत उपभोक्ता हैं। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा 400 यूनिट तक आधे दर पर दुर्ग जिले के उपभोक्ताओं को 311 करोड़ 56 लाख रुपए की छूट प्रदान की गई है। सौभाग्य योजना के अंतर्गत जिले के 13429 घरों को विद्युत कनेक्षन प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन की बिजली बिल हाफ योजना, मोर बिजली एप, मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना, मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया गया। साथ ही केंद्र सरकार की सौभाग्य योजना एवं डीडीयूजीजेवाई योजना, कुसुम योजना एवं उपभोक्ता के अधिकार, क्रेडा विभाग द्वारा जिला दुर्ग में स्थापित सौर संयंत्रों की परियोजनावार जानकारी सहित अन्य योजनाओं

खुर्सीपार एरिया के बैक लाइन की सफाई का निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने आज खुर्सीपार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 48 क्रांति मार्केट के एसपीएस सड़क 6 से लेकर सड़क 14 तक का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान बैक लाइन की सफाई देखी और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, जोन स्वास्थ्य अधिकारी महेश पांडे आदि मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि विधायक देवेंद्र यादव एवं महापौर नीरज पाल के निर्देश पर खुर्सीपार क्षेत्र में बैक लाइन की सफाई कराई जा रही है। बैक लाइन की सफाई को एक अभियान की तरह चलाया जा रहा है। स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिक निगम भिलाई अलर्ट मोड पर काम कर रहा है, कोने-कोने से लेकर सकरी बस्तियों तथा मुख्य सड़कों के किनारे से कचरे को हटाने का काम प्रतिदिन किया जा रहा है। बाजार क्षेत्रों में दिन के अलावा रात्रि में भी कचरे का उठाव हो रहा है। निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर के निरंतर मॉनिटरिंग से सफाई व्यवस्थाओं में सुधार आ रहा है। सड़क किनारे दिखने वाले कचरे भी अब हटने लगे हैं। लेकिन स्वच्छता के लिए नागरिक सहभागिता अत्यंत आवश्यक है तथा दुकानदारों एवं पथ विक्रेताओं को भी स्वच्छता के महाभियान में शामिल होना होगा। छोटे-छोटे पथ विक्रेता तथा फुटकर विक्रेताओं जो कि सड़क के किनारे सुबह एवं शाम को पृथक-पृथक व्यवसाय करते हैं, इन्हें कचरा फैलने से रोकने के लिए उचित उपाय अपनाना जरूरी है। डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में हालांकि निगम हर घर पहुंच रहा है परंतु ठेला, गुमटी व्यवसायी को अपने आसपास स्वच्छता बरकरार रखना होगा, कचरा को एक डस्टबिन में रखने के बाद स्वच्छता कर्मचारी को कचरा देने से कचरा इधर-उधर फैलने का खतरा कम हो जाता है, वही कचरा सीधे डस्टबिन से एसएलआरएम सेंटर में पहुंच जाता है जिसके माध्यम से इसका पृथककीकरण करते हुए गीले कचरे से खाद का निर्माण किया जाता है। बीमारी का बहुत बड़ा स्रोत गंदगी भी है जिसको समाप्त करने की आवश्यकता है, भिलाई निगम इसके लिए सतत प्रयासरत है परंतु आम नागरिकों की सहभागिता इसमें नितांत आवश्यक है जिसके चलते ही कचरा को पूर्णरूपेण शहर से हटाया जा सकता है। निगम ने कचरा फैलाने वालों के ऊपर जुर्माना की कार्यवाही जारी रखी है, शहर में किसी को भी कचरा फेंकते पाए जाने पर तथा गंदगी फैलाने पर जुर्माना लगाया जा रहा है। नाली के समीप मलबा रखने वालों को भी हिदायत दी जा रही है।

कांवड़ यात्रा की तैयारी में जूटी महिलाएं पहली बार कावड़ यात्रा में होंगी शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रंग-बिरंगी रेशम की डोरी, माता की चुनरी, कटान कपड़े आदि से कावड़ और कलश को सजा रही

भिलाई। जय हनुमान सेवा वाहिनी द्वारा भव्य कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। 1 अगस्त सोमवार को सुबह 6 बजे शिवनाथ नदी से बाबा भोले नाथ के हजारों भक्तों एक साथ कावड़ यात्रा निकालेंगे। इसी तैयारी जोरो से चल रही है। शहर की कई महिला समूह की महिलाएं कावड़ यात्रा में शामिल होने वाले भक्तों के लिए कावड़ बना रही है। बांस के पतले पतले डंडे में रेशम की रंगबिरंगी डोरी से कावड़ बना रही है। कावड़ को माता की चूनरी वाले कपड़े व अन्य डिजाइन से सजाया जा रहा है। महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे ये कावड़ बेहद सुंदर और आकर्षक व मनमोहक है।

सेक्टर 10 माड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि बताया कि उनकी पूरी टीम की महिलाएं कावड़ बनाने में लगी हुई है। कावड़ के दोनों ओर रस्सी बांध कर मिट्टी और तांबा व पितल का कलश रख कर और उसमें पानी भर कर चलकर टेस्टिंग भी कर रही है कि कावड़ ठीक बना है या नहीं। महिलाओं ने बताया कि वे सब पहली बार कावड़ बना रही है। लेकिन उन्होंने कई बार कावड़ देखा है। इसलिए उन्हें पता है कि कावड़ कैसे बनाया जाता है।

कुछ टेक्नीकल समस्या आ रही थी। जिसे दूर करने केलिए यूट्यूब और गूगल की भी मदद ली जा रही है। कावड़ के साथ ही कलश को भी बहुत ही सुंदर और मनमोहक तरीके से सजाया जा रहा है। महिलाओं में कावड़ यात्रा को लेकर बेहतर उत्साह का माहौल है।

सिर्फसेक्टर 10 ही नहीं बल्की सेक्टर 5 की जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह, छावनी की मां प्राप्ति स्वयं सहायता समूह, लक्ष्य स्वयं सहायता समूह शहीद वीर नारायण सिंह, शिवशक्ति महिला समूह खुर्सीपार आदि समिति की महिलाएं अपने -अपने यहां कावड़ बनाने और उसे सजाने में जूटी है।

कावड़ यात्रा की शुरूआत होने से पहले ही इसकी तैयारी में ही पूरा शहर शिवमय हो गया है। भक्तों में काफी उत्साह का माहौल और कावड़ यात्रा के दिन की बेसब्री से इंतजार है।

पहली बार कावड़ यात्रा में महिलाएं भी होगी शामिल

ऐसे तो महिलाएं भी कावड़ यात्रा में शामिल होती है। लेकिन भिलाई में पहली बार ऐसा हो रहा है जब सैंकड़ों की संख्या में शहर के हर वार्ड से महिलाएं कावड़ यात्रा में शामिल होगी। इस कावड़ यात्रा में करीब 400 से अधिक महिलाओं के शामिल होने की चर्चा है। महिलाएं भी कावड़ यात्रा की अपनी तैयारी अपने स्तर पर कर रही है। वे खुद के लिए कावड़ बना रही है और अन्य भक्तों को भी कावड़ देगी और पुरूषों के साथ ही महिलाएं ही कदम से कदम मिलाकर कावड़ लेकर शिवधाम जाएंगी।

1 को सुबह 6 बजे निकलेगी कावड़ यात्रा

सेवा वाहिनी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन पूर्ण रूप से धार्मिक आयोजन है। इस आयोजन में सभी धर्म, जाति,समूदाय,राजनीतिक पार्टी से लोग शामिल होंग। आपसी भाईचारा, एकता, प्रेम, मत्रिता का संदेश देने वाला यह कावड़ यात्रा होगा। जो सिर्फ शिव की भक्ति के लिए होगा। यात्रा की शुरूआत शिवनाथ नदी स्थिति शंकर भगवान की पूजा अर्चना करने के बाद की जाएगी। शिवनाथ से अपने कावड़ में जल भरकर भक्त पैदल -पैदल हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए देवबलोदा मंदिर पहुंचेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950